दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-144 सीहोर,शुक्रवार 24 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

संसद परिसर में पेपर लीक पर सियासी टकराव

प्रदर्शन के दौरान आमने-सामने आए NDA और विपक्षी सांसद; जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली (ए.) । मानसून सत्र के बीच गुरुवार को संसद भवन परिसर में नीट (NEET) पेपर लीक और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास तक किए गए प्रदर्शन को लेकर सियासी माहौल गरमा गया। संसद के मकर द्वार पर एनडीए और विपक्षी सांसद आमने-सामने आ गए और दोनों पक्षों ने अपने-अपने मुद्दों को लेकर जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसदों ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री आवास तक किए गए प्रदर्शन का विरोध किया, जबकि विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक मामले को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते रहे। कुछ समय तक दोनों पक्ष मकर द्वार पर डटे रहे और एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाते रहे। सरकार का कहना है कि शिक्षा मंत्रालय की शिकायत के आधार पर सीबीआई ने नीट पेपर लीक मामले की जांच शुरू कर दी है और विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा भी दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाया जाएगा। वहीं विपक्ष का आरोप है कि परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने में सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) पूरी तरह विफल रही है, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। विपक्ष ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। इसी बीच छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के मामलों में दोषियों को जल्द और कठोर सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा, ताकि मामलों का त्वरित निस्तारण हो सके। प्रधानमंत्री के इस ऐलान पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया।

सिक्किम सुरंग त्रासदी के बाद चार दिन चला खोज एवं बचाव अभियान समाप्त, सभी 25 शव बरामद

नाम्ची, (ए.)। नाम्ची जिले के झोलुंगे अंतर्गत समरदुंग में निर्माणाधीन नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की सुरंग में पिछले चार दिनों से चलाया जा रहा खोज एवं बचाव अभियान गुरुवार को समाप्त हो गया। सुरंग से सभी 25 पीड़ितों के शव बरामद कर लिए गए हैं। नाम्ची जिला प्रशासन के अनुसार आज के बचाव अभियान के दौरान तीन और शव बरामद किए गए। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई। इसके बाद बचाव दल ने सुरंग का विस्तृत निरीक्षण किया और लापता सभी श्रमिकों के विवरण का मिलान करने के बाद पुष्टि की कि अब सुरंग के भीतर कोई भी व्यक्ति फंसा नहीं है। मृतकों में एनएचपीसी लिमिटेड, एआरएक्स और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हैं।

गुजरात के सूरत ज़िले के लिंबायत इलाके में भारी बारिश के बाद मीठी खाड़ी क्षेत्र में जलभराव के कारण सड़कें और घर पानी में डूबे हुए हैं।

पेपर लीक विवादः खरगे ने सरकार पर साधा निशाना, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने परीक्षा से जुड़े कथित पेपर लीक के मुद्दे पर केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में इस विषय पर चर्चा चाहती, तो विपक्ष की मांग के साथ ही संसद में बहस की अनुमति दे देती। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी दोहराई।

पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि विपक्ष शुरुआत से ही इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा चाहता था, लेकिन सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। उनका आरोप था कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग किया गया और विपक्ष की बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा नहीं देते, तब तक इस मुद्दे पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत नहीं, आठ एफआईआर मामलों में समग्र संरक्षण देने से इनकार

कोलकाता, (आरएनएस)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दर्ज आठ एफआईआर मामलों में फिलहाल समग्र अंतरिम संरक्षण देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि अलग-अलग आरोपों पर दर्ज मामलों में एक साथ व्यापक राहत प्रदान नहीं की जा सकती। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को निर्धारित की गई है।

न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि प्रत्येक एफआईआर की प्रकृति अलग है, इसलिए सभी मामलों को एक साथ जोड़कर अंतरिम संरक्षण देना उचित नहीं होगा। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि यदि अगली सुनवाई से पहले अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोई कठोर कानूनी कार्रवाई की जाती है।

सीजेपी ने जेपी नड्डा के आवास-कार्यालय पर बातचीत ठुकराई, देशभर में एक दिवसीय प्रदर्शन का आह्वान

नईदिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थकों को बातचीत का न्यौता दिया था, जिसे प्रदर्शनकारी छात्रों ने ठुकरा दिया है। दरअसल, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने छात्रों को स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आवास या कार्यालय पर बातचीत को बुलाया था। प्रदर्शनकारियों ने इसे ठुकराते हुए मांग की कि बातचीत जंतर-मंतर पर हो या फिर किसी और जगह होनी चाहिए। सीजेपी ने एक दिवसीय प्रदर्शन का आह्वान भी किया है।सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच सरकार के न्यौते की घोषणा करते दिख रहे हैं।रांका ने प्रदर्शकारियों से कहा कि सरकार कह रही है कि वह जंतर-मंतर पर बातचीत करने नहीं आएगी क्योंकि वह काफी डर रहे हैं। रांका ने कहा कि जितेंद्र सिंह ने नड्डा के आवास या कार्यालय पर बातचीत का प्रस्ताव दिया है, जिसे प्रदर्शकारियों ने एक स्वर से मना कर दिया।सीजेपी ने छात्रों पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में पूरे देश में एक दिन के प्रदर्शन का आह्वान किया है।

पार्टी ने एक्स पर बताया कि शुक्रवार 24 जुलाई को हर जिले में एक मांग के साथ एक दिन का प्रदर्शन किया जाएगा।

पेपर लीक विवादः सरकार ने बातचीत का दावा किया, प्रदर्शनकारी संगठन अपनी मांगों पर कायम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। परीक्षा संबंधी कथित पेपर लीक के मुद्दे पर जंतर-मंतर में जारी प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार ने दावा किया है कि प्रदर्शनकारी संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को बातचीत के लिए चार औपचारिक प्रस्ताव भेजे गए हैं। हालांकि, सरकार के अनुसार इन प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया गया, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच गतिरोध बना हुआ है।केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार किसी भी समय और किसी भी स्थान पर बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और वह स्वयं प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों से चर्चा करने के इच्छुक हैं। उनके अनुसार, सरकार इस मुद्दे को टकराव नहीं बल्कि संवाद के माध्यम से सुलझाना चाहती है।प्रदर्शनकारी संगठन की प्रमुख मांगों में परीक्षा प्रणाली में सुधार, कथित पेपर लीक मामलों की जवाबदेही तय करना और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग शामिल है।

असम में बाढ़ से भारी तबाही, नुकसान के आकलन के लिए केंद्र भेजेगा अंतर-मंत्रालयी दल

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम में इस वर्ष आई भीषण बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य के 25 जिलों के 1,800 से अधिक गांव जलमग्न हैं और नौ लाख से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से फोन पर बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और नुकसान का आकलन करने के लिए जल्द ही केंद्र की अंतर-मंत्रालयी टीम राज्य भेजने का भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि गृह मंत्री ने बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कराने के लिए केंद्रीय टीम भेजने का आश्वासन दिया है। इस रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और राहत के लिए केंद्र सरकार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार, इस बार की बाढ़ का मुख्य कारण ऊपरी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं और सामान्य से कहीं अधिक वर्षा रही है।

नीट और भर्ती घोटालों को लेकर भोपाल में छात्र-युवाओं का शक्ति प्रदर्शन, नीलम पार्क में प्रदेशभर से जुटे प्रदर्शनकारी

भोपाल (निप्र.)। नीट पेपर लीक मामले और दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को राजधानी भोपाल का नीलम पार्क छात्र-युवाओं के आक्रोश का केंद्र बना रहा। मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट के बैनर तले आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शन में प्रदेश के करीब 20 जिलों से छात्र, युवा और नर्सिंग स्टूडेंट्स शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने बेरोजगारी, पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, ठेका प्रथा और नर्सिंग छात्रों की समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान युवाओं के हाथों में तख्तियां और पोस्टर नजर आए। सबसे ज्यादा चर्चा उस पोस्टर की रही, जिस पर लिखा था- यह पेपर लीक नहीं, सिस्टम का लीकेज है। कई प्रदर्शनकारी सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और सांसद चंद्रशेखर आजाद की तस्वीरें लेकर भी पहुंचे। नीलम पार्क परिसर मन की बात तो करते हैं, हमारी बात क्यों नहीं सुनते? जैसे नारों से गूंजता रहा।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

आंदोलन के मध्य प्रदेश संयोजक प्रमोद नामदेव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया। उन्होंने इसकी न्यायिक जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि छात्र केवल परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग कर रहे हैं।आंदोलन से जुड़े मनोज रजक ने कहा कि मध्य प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं, व्यापम घोटाले के बाद भी जारी विवादों और नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़े ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों सरकारी पद खाली होने के बावजूद नियमित भर्तियां नहीं हो रही हैं।

बारिश से प्रदेश तरबतर 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में तीन मजबूत मौसमी सिस्टम सक्रिय होने के कारण पिछले 60 घंटे से लगातार बारिश का सिलसिला जारी है। राज्य के 40 से अधिक जिले बारिश से प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए इंदौर और उज्जैन सहित 17 जिलों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। लगातार हो रही बारिश के कारण कई क्षेत्रों में सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के ऊपर मानसून ट्रफ, ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) और पूर्व-पश्चिम शियर जोन एक साथ सक्रिय हैं। मौसम वैज्ञानिक शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि इन सिस्टम की वजह से बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से लगातार नमी मिल रही है, जिससे कई इलाकों में कम समय में तेज बारिश दर्ज की जा रही है।

इन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

गुरुवार के लिए आलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं नीमच, रतलाम, उज्जैन, इंदौर, सीहोर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, उमरिया, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, राजगढ़, विदिशा, झाबुआ, बुरहानपुर, खंडवा, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, डिंडौरी, सतना, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भी रुक-रुककर तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है। टीकमगढ़ में गुरुवार सुबह से ही बारिश का दौर जारी है। पिछले चार दिनों से हो रही रुक-रुककर बारिश के चलते मौसम सुहावना बना हुआ है। जिले में अब तक औसतन 11.2 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वहीं बड़वानी जिले के सेंधवा में भी लगातार रिमझिम बारिश हो रही है।

गुजरात में कथित हिरासत में मौत का मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक शख्स की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी जांच का आदेश दिया. आरोप है कि गुजरात पुलिस की हिरासत में शख्स की मौत हो गई थी।

उस पर कथित तौर पर मवेशी काटने का मामला दर्ज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात कोर्ट में तीन महीने के अंदर अंतिम जांच रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

मृतक के बेटे तोफिक शेख की याचिका में गुजरात हाई कोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी गई थी. हाई कोर्ट ने पुलिस कस्टडी में अपने पिता की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज करने और स्वतंत्र जांच की मांग वाली उसकी याचिका खारिज कर दी।

शेख के वकील ने आरोप लगाया कि मृतक को डायबिटीज की कई गोलियां खाने के लिए मजबूर किया गया था। हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को संवैधानिक कोर्ट जाने से पहले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) के तहत कानूनी उपाय का फायदा उठाना चाहिए। याचिकाकर्ता के अनुरोध पर, सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से खतरे का आकलन करने और उसकी सुरक्षा के लिए उचित कार्रवाई करने को भी कहा. आज सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, जब इस तरह का शक होता है।

राजा रघुवंशी हत्याकांडः सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द की, तीन हफ्ते में सरेंडर का आदेश

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी सोनम रघुवंशी को बड़ा झटका देते हुए उनकी जमानत रद्द कर दी है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि सोनम रघुवंशी तीन सप्ताह के भीतर संबंधित पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करें। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि छह महीने के भीतर मुकदमे की सुनवाई पूरी नहीं होती है, तो वह दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती हैं।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने मेघालय सरकार की अपील स्वीकार करते हुए कहा कि निचली अदालत और हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी की प्रक्रिया से जुड़े तकनीकी आधार पर जमानत देते समय त्रुटि की थी। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के कारण बताना आवश्यक है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं कहा जा सकता कि आरोपी को गिरफ्तारी के कारण बिल्कुल नहीं बताए गए थे।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी न देना और जानकारी में तकनीकी या प्रक्रियागत कमी होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। केवल तकनीकी त्रुटि के आधार पर जमानत देना उचित नहीं माना जा सकता।अभियोजन पक्ष के अनुसार, सोनम रघुवंशी को जून 2025 में अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसियों का आरोप है कि विवाह के बाद मेघालय घूमने गए दंपति के दौरान कथित साजिश के तहत राजा रघुवंशी की हत्या की गई और शव को एक गहरी खाई में फेंक दिया गया। पुलिस का दावा है कि इस वारदात को अंजाम देने के लिए कथित तौर पर अन्य लोगों की भी मदद ली गई थी। इस मामले में पहले ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी संबंधी तकनीकी आधारों को देखते हुए सोनम को जमानत दी थी, जिसे मेघालय हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा था। इसके बाद मेघालय सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

अनंतनाग आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा रणनीति की हो रही समीक्षा

श्रीनगर,(आरएनएस)। श्रीअमरनाथ यात्रा के दौरान दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। एजेंसियों का मानना है कि लगातार दबाव के कारण आतंकी अब सीधे मुठभेड़ से बच रहे हैं और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में टारगेट किलिंग की घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, आतंकी यात्रा के दौरान हमला कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार हासिल करना चाहते हैं। उनका उद्देश्य कश्मीर में सामान्य होते हालात को प्रभावित करना और क्षेत्र की नकारात्मक छवि फिर से पेश करना है। इसके लिए सीमा पार बैठे आतंकी हैंडलर कश्मीर में सक्रिय अपने मॉड्यूल और ओवरग्राउंड वर्करों (OGWs) को लगातार निर्देश दे रहे हैं।खतरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं। कश्मीर मामलों के जानकार अजय बाचलू का कहना है कि अनंतनाग हमला ऐसे समय हुआ, जब अमरनाथ यात्रा भारी बारिश के कारण स्थगित थी। हमले की टाइमिंग से संकेत मिलता है कि आतंकियों का उद्देश्य बड़ी जनहानि करना नहीं, बल्कि भय का माहौल बनाकर अपनी मौजूदगी का संदेश देना था।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आतंकियों का लक्ष्य बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाना होता तो वे यात्रा के काफिले या शिविर को निशाना बना सकते थे। हालांकि, ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसी कड़ी सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन बड़े हमलों के संभावित परिणामों को लेकर सतर्क हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के हाथों सम्मानित होकर खुश है भाभरा के किसान

कहा मदद करने वाली सरकार है मोहन सरकार

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों आज आलीराजपुर के भाभरा में बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत सम्मानित होने पर किसानों की खुशी का खुशियों का ठिकाना नहीं रहा।

विदेश मे आम बेचने की है इच्छा

कांदा के यशपाल सिंह ने बताया कि हम आम की प्राकृतिक खेती करते हैं। करीब 18 एकड़ इलाके में 1000 से ज्यादा केसर आम के पेड़ हैं। इनमें जो भी फसल होती है, वो सब दूसरे राज्यों में बेचते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के हाथों सम्मानित होकर बहुत खुशी हो रही है। खासकर इसलिए कि हमने इस काम की शुरुआत सरकार की मदद से ही की थी। शुरुआत में विभाग की ओर से ही हमें 400 पौधे दिए गए थे। आर्थिक सहायता भी मिली थी। यही बढ़कर आज हमारे खेतों में 1000 से ज्यादा पेड़ हैं। सरकार की नीतियां इतनी अच्छी हैं कि मुझे आम बेचने के लिए बाजार में नहीं जाना पड़ता। मैं जंगल में रहता हूं, लेकिन ग्राहक सीधे वहीं पहुंच जाते हैं। इतना ही नहीं, सरकार की सोलर पंप लगाने की योजना से भी हमें काफी मदद मिलती है। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। हम चाहते हैं कि हमें प्राकृतिक खेती का प्रमाणपत्र मिल जाए। इससे हम

विदेशों में भी आम बेच पाएंगे।

सरकार बहुत कुछ कर रही हमारे लिए

जोबट के कांदा ग्राम के विजय सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होकर वे बहुत खुश हैं। वे करीब 9 एकड़ में केसर आम की खेती करते हैं। उनके 1000 से ज्यादा पेड़ हैं। इसके लिए सरकार से उन्हें मदद मिली थी। विभाग की ओर से आम के पेड़ और आर्थिक सहायता मिली थी। इस साल उन्होंने करीब 8 लाख के आम बेचे। उनके सारे आम स्थानीय बाजार में ही बिक जाते हैं, कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ती। विजय सिंह का कहना है कि सरकार उनके लिए बहुत कुछ कर रही है। यदि आम के बागानों की तार फेंसिंग का कोई इंतजाम हो जाए तो फसल ज्यादा सुरक्षित रहेगी।

फसल बीमा की राहत है बड़ा सहारा

जानिया - केल्दी की माल कहते हैँ उन्हें मुख्यमंत्री जी के हाथों सम्मानित होकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम खेतों में मेहनत करते हैं। जब उसको सम्मान मिलता है तो खुशी मिलती है। मेरी 2-3 हेक्टेयर खेती है। हम उसमें मोटा अनाज जैसे ज्वार, बाजड़ा, मक्का आदि उपजाते हैं। इसके अलावा तूअर और उड़द की भी खेती होती है। इस बार बारिश कम हो रही है, लेकिन मोटा अनाज कम पानी में भी पक जाता है। इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं होती। वैसे भी, यदि खेती में कोई परेशानी होती है तो सरकार की ओर से मदद मिल जाती है। फसल खराब होने पर बीमा का पैसा मिल जाता है जिससे काफी राहत होती है। शासन हमारी हरसंभव मदद करता है, अधिकारी भी हमें सलाह देते रहते हैं। सरकार की कई योजनाएं हैं। जागरूक किसानों को पर्याप्त मदद मिल जाती है। हम सरकार से संतुष्ट हैं। औजड़ की पूनम सिंह कहती हैं आज मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होने का मौका मिल रहा है, इसकी बहुत ज्यादा खुशी है। हमारे पास 1.30 एकड़ खेत हैं। इसमें कपास, ज्वार, बाजरा, मूंगफली और सोयाबीन उगाते हैं। इस बार भी कपास और बाजरे की बोवनी की है।

सुरखी को 16 करोड़ की ऐतिहासिक स्वास्थ्य सौगात, जैसीनगर में बनेगा 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल

भोपाल (ए.)। सुरखी विधानसभा क्षेत्र की जनता को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के सतत प्रयासों, प्रभावी पहल और शासन स्तर पर निरंतर किए गए विशेष फॉलोअप के परिणामस्वरूप राज्य शासन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जैसीनगर का उन्नयन 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल के रूप में करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए लगभग 16 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह निर्णय न केवल सुरखी विधानसभा क्षेत्र बल्कि पूरे सागर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाला साबित होगा। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों तक भी शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है और सुरखी विधानसभा क्षेत्र को मिली यह सौगात उसी जनकल्याणकारी सोच का परिणाम है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरी प्राथमिकता हमेशा यह रही है कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए लंबी दूरी तय न करना पड़े। इसी उद्देश्य से मैंने जैसीनगर अस्पताल के उन्नयन का विषय लगातार शासन के समक्ष प्रमुखता से रखा। आज सरकार ने इस महत्वपूर्ण मांग को स्वीकार कर क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत प्रदान की है।

हरियाली का संकल्पः एक पौधा, अनेक पीढ़ियों का जीवन

परोपकारिणी महिला मंडल ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया प्रेरक संदेश

भोपाल (निप्र)। बढ़ते पर्यावरणीय संकट और घटते हरित क्षेत्र के बीच परोपकारिणी महिला मंडल ने समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए पिपलानी स्थित आनंदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। मंडल की अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े के नेतृत्व में सदस्यों ने बेल, शमी, आम, अमरूद और चीकू सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. साधना गंगराड़े ने कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक है, जब पौधों का संरक्षण भी हमारी जीवनशैली का हिस्सा बने। एक पौधा केवल पेड़ नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु, जल और स्वस्थ पर्यावरण की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक परिवार वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल का दायित्व भी निभाए। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति प्रकृति के प्रति अपना दायित्व समझे, तो पर्यावरण संरक्षण एक जनआंदोलन बन सकता है। पौधरोपण अभियान में कविता अग्रवाल, विमलेश शुक्ला, हंसा बोन्द्रिया, बलजीत कौर, मंजू रावत, डॉ. अनामिका रावत, शर्मा आंटी, प्रभा सेन, कमलेश अग्रवाल, वंदना सिरपुरकर, डॉ. भावना श्रीवास्तव, अनीता सक्सेना, मंगला, उमा शर्मा एवं पूनम सक्सेना ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखेंगे तथा समाज के अधिकाधिक लोगों को हरियाली बढ़ाने के इस अभियान से जोड़ेंगे। आज लगाया गया एक पौधा, आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

अशोक बर्णवाल ने मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण किया

भोपाल (ए.)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (1991 बैच) के वरिष्ठ अधिकारी अशोक बर्णवाल ने गुरूवार को प्रदेश के 36वें मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नवनियुक्त मुख्य सचिव श्री बर्णवाल को मंत्रालय स्थित मुख्य सचिव कक्ष में कार्यभार सौंपा। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बुधवार 22 जुलाई को इस संबंध में आदेश जारी किए गए थे। इससे पहले इसी दिन भारत सरकार द्वारा निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्योपुर एवं सिंगरौली मेडिकल कॉलेज के संचालन की वृहद समीक्षा की

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने श्योपुर एवं सिंगरौली शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की शैक्षणिक एवं चिकित्सीय व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों महाविद्यालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर संचालन को उच्च गुणवत्ता एवं दक्षता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की उपलब्धता, तृतीय श्रेणी (नॉन-गजेटेड) कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भर्ती, चिकित्सा उपकरणों एवं फर्नीचर की उपलब्धता, आवश्यक प्रोक्योरमेंट कार्यों की प्रगति, विद्युत एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं और आउटसोर्स मानव संसाधन की व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि फैकल्टी सहित सभी आवश्यक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। चिकित्सा उपकरणों, फर्नीचर और अन्य संसाधनों की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित की जाए और आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति, वेतन भुगतान एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ इटारसी की बड़ी कार्रवाई

44 लाख मूल्य के 18.894 किलोग्राम चांदी के आभूषणों के साथ दो व्यक्तियों को पकड़ा

भोपाल (ए.)। रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट इटारसी द्वारा महत्वपूर्ण कार्रवाइ करते हुए दो संदिग्ध व्यक्तियों को लगभग 18.894 किलोग्राम चांदी के आभूषण, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 44 लाख है, के साथ पकड़ा गया। दोनों व्यक्ति चांदी के आभूषणों के संबंध में कोई वैध बिल अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके बाद उन्हें अग्रिम वैधानिक कार्रवाई हेतु जीआरपी इटारसी के सुपुर्द किया गया। बुधवार को आरपीएफ इटारसी के सहायक उप निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा एवं आरक्षक जसवंत सिंह द्वारा गश्त के दौरान ट्रेन संख्या 22177 मुम्बई-बनारस महानगरी एक्सप्रेस के सामान्य कोच में दो व्यक्तियों को भारी बैगों के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उनके बैगों की जांच की गई, जिसमें बड़ी मात्रा में चांदी के आभूषण पाए गए। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्ति उक्त आभूषणों के संबंध में कोई वैध बिल अथवा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके पश्चात दोनों व्यक्तियों को आरपीएफ पोस्ट इटारसी लाकर विस्तृत पूछताछ की गई। उन्होंने अपना नाम लकी रजवानी एवं राकेश जाट निवासी भोपाल बताया। जांच के दौरान उनके कब्जे से कुल 18.894 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 44 लाख आंकी गई। पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने बताया कि वे भोपाल स्थित बसंत सोनी के यहां कार्यरत हैं तथा उक्त चांदी के आभूषण भोपाल से पिपरिया सप्लाई हेतु ले जा रहे थे। हालांकि, वे इस संबंध में कोई वैध दस्तावेज या बिल प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए दोनों व्यक्तियों एवं बरामद चांदी के आभूषणों को आगे की कार्रवाई हेतु जीआरपी इटारसी के सुपुर्द किया गया। जीआरपी इटारसी द्वारा भामामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। आरपीएफ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रेल क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध है।

घड़ियाल और दुर्लभ कछुओं की तस्करी रोकने के लिए चंबल में हाई अलर्ट

भोपाल (ए.)। देश में घड़ियाल संरक्षण के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर मध्यप्रदेश वन विभाग ने हाई अलर्ट घोषित किया है। अंतर्राज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोहों के फिर से सक्रिय होने की आशंका के बीच चंबल नदी के संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी कई गुना बढ़ा दी गई है। नियमित गश्त, अवैध मत्स्याखेट पर सख्त कार्रवाई, संदिग्ध मछुआरों की सतत निगरानी और उत्तरप्रदेश-राजस्थान के साथ संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डॉ. समीता राजौरा ने राज्य स्तरीय अलर्ट जारी करते हुए सभी संबंधित वन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चंबल अभयारण्य के प्रत्येक संवेदनशील नदी घाट पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा घड़ियाल और संरक्षित कछुओं के शिकार एवं तस्करी की किसी भी कोशिश को प्रारंभिक स्तर पर ही विफल किया जाए। इसके लिए उत्तरप्रदेश और राजस्थान के वन विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर गोपनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान, संयुक्त गश्त और समन्वित कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे मजिस्ट्रेट की सघन जांच अभियान में टिकट चेकिंग एवं अवैध वेंडिंग पर कड़ी कार्रवाई

160 मामलों में 2.29 लाख से अधिक का जुर्माना

भोपाल (निप्र)। रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं नियमसम्मत यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज रेलवे मजिस्ट्रेट भोपाल श्री अनुराग खरे द्वारा वरिष्ठ लोक अभियोजक (रेलवे) श्री अनिल कुमार सिंह के साथ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान गाड़ी संख्या 11077 झेलम एक्सप्रेस के पेंट्रीकार का निरीक्षण किया गया तथा टिकट जांच एवं अवैध वेंडिंग के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अवैध वेंडिंग करने वालों के विरुद्ध जनविश्वास विधेयक के तहत ?8,000 का जुर्माना लगाया गया। वहीं टिकट जांच अभियान में भोपाल से बीना के मध्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से टिकट जांच स्टाफ द्वारा ?36,750 की जुर्माना राशि वसूल की गई।
इसके उपरांत बीना रेलवे स्टेशन पर रेलवे मजिस्ट्रेट द्वारा कैम्प कोर्ट का आयोजन किया गया। कैम्प कोर्ट में अवैध वेंडिंग, रेल लाइन पार करना, बिना टिकट यात्रा, महिला एवं दिव्यांग कोच में अनधिकृत यात्रा, चेन पुलिंग तथा रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज मामलों का त्वरित निस्तारण किया गया। इस कार्रवाई के दौरान रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न पोस्टों से प्रस्तुत कुल 160 मामलों में 2,29,920 का जुर्माना अधिरोपित कर मौके पर ही वसूल किया गया। इनमें बीना पोस्ट एवं अशोकनगर आउटपोस्ट के 104, भोपाल पोस्ट के 20, रानी कमलापति पोस्ट के 3, इटारसी पोस्ट के 3, विदिशा पोस्ट के 17 तथा गंजबासौदा पोस्ट के 13 मामले शामिल रहे।

भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे वैध टिकट के साथ यात्रा करें, रेलवे नियमों का पालन करें तथा अवैध वेंडिंग, रेल लाइन पार करने एवं अन्य नियम विरुद्ध गतिविधियों से बचें। रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सघन अभियान जारी रहेगा।

नारी सशक्तिकरण मिशनः राष्ट्रीय स्तर के लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता का आयोजन

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं की उन्नति, उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों के समाधान तथा सर्वांगीण विकास को गति देने के उद्देश्य से संचालित नारी सशक्तिकरण मिशन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए एक राज्यव्यापी लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य ध्येय महिला नेतृत्व आधारित विकास (विमेन-लेड डेवलपमेंट) की भावना को सशक्त रूप से रेखांकित करने वाले मौलिक और रचनात्मक विचार को आमंत्रित करना है। प्रतियोगिता को सर्वसमावेशी बनाते हुए इसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को भागीदारी का अवसर दिया गया है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि डिजिटल माध्यम से आधिकारिक पोर्टल mp.mygov.in पर 7 अगस्त 2026 तक प्रेषित कर सकते हैं। प्रतियोगिता में निष्पक्षता और मौलिकता को प्राथमिक शर्त रखा गया है, जिसके तहत प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही प्रविष्टि भेजने के लिए पात्र होगा। डिजाइन संबंधी मानकों के अनुसार, लोगो का रंगीन, उच्च गुणवत्ता (600 डीपीआई) तथा जेपीजी या पीएनजी प्रारूप में होना अनिवार्य है। साथ ही इसका आकार न्यूनतम 5 सेमी म 5 सेमी से लेकर अधिकतम 30 सेमी म 30 सेमी के दायरे में होना चाहिए, ताकि इसे भविष्य में शासकीय पत्राचार, सोशल मीडिया, होर्डिंग्स, ब्रोशर एवं अन्य प्रचार सामग्रियों पर सहजता से अनुकूलित किया जा सके। प्रविष्टि पर किसी भी प्रकार का वॉटरमार्क स्वीकृत नहीं किया जाएगा। प्रतिभागियों के प्रोत्साहन के लिये विभाग द्वारा पुरस्कारों की घोषणा भी की गई है। प्राप्त सभी प्रविष्टियों में से विभाग द्वारा चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो डिज़ाइन के विजेता को 11 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त चार अन्य उत्कृष्ट प्रविष्टियों को 5-5 हजार रुपये के पुरस्कार से नवाजा जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा।

रानी कमलापति से पुरी, गंगासागर, गया, वाराणसी एवं रामलला दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों को एक ही यात्रा में प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के उद्देश्य से इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष पर्यटक ट्रेन दिनांक 15 सितंबर 2026 को इंदौर से पुरी, गंगासागर के साथ गया, वाराणसी एवं रामलला दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी। यह भारत गौरव पर्यटक ट्रेन मध्यप्रदेश के प्रमुख स्टेशनों इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति (भोपाल), इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी एवं अनूपपुर होते हुए संचालित होगी, जहां से यात्री इस ट्रेन में सवार हो सकेंगे। 10 रातें एवं 11 दिनों की इस धार्मिक यात्रा के दौरान यात्रियों को पुरी, गंगासागर, गया, वाराणसी एवं अयोध्या (रामलला दर्शन) सहित प्रमुख तीर्थ स्थलों एवं दर्शनीय स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा।

इस यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति किराया श्रेणीवार इस प्रकार निर्धारित किया गया है—

स्लीपर (इकोनॉमी श्रेणी) 19,600/- प्रति व्यक्ति

3 एसी (स्टैंडर्ड श्रेणी) 31,850/- प्रति व्यक्ति

2 एसी (कम्फर्ट श्रेणी) 41,900/- प्रति व्यक्ति

आईआरसीटीसी द्वारा यह सर्व समावेशी टूर पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक द्वारा आरामदायक रेल यात्रा, यात्रा के दौरान एवं यात्रा स्थल पर भोजन व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण बसों द्वारा सड़क परिवहन एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवास व्यवस्था, टूर एस्कॉर्ट की सुविधा, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा एवं हाउसकीपिंग सेवाएं शामिल हैं।

इस धार्मिक यात्रा के इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी टिकट एवं टूर पैकेज की बुकिंग कराई जा सकती है। यात्रा एवं बुकिंग से संबंधित अधिक जानकारी के लिए यात्री आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेलवे स्टेशन स्थित कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर मध्यप्रदेश पुलिस में 9,662 पदों पर भर्ती की स्वीकृति

आगामी सिंहस्थ-2028 सहित भविष्य की कानून-व्यवस्था एवं जनसुरक्षा आवश्यकताओं को मिलेगी मजबूती

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने मध्यप्रदेश पुलिस को अधिक सक्षम, आधुनिक एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पुलिस विभाग में 9,662 रिक्त पदों पर भर्ती की स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय आगामी सिंहस्थ-2028, बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, साइबर अपराधों की चुनौतियों तथा भविष्य की कानून-व्यवस्था संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा पुलिस विभाग से रिक्त पदों का विस्तृत प्रस्ताव प्राप्त किए जाने के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित निर्णय लेते हुए भर्ती को स्वीकृति प्रदान की। यह निर्णय प्रदेश में पुलिस बल को और अधिक सुदृढ़ बनाने, नागरिकों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय मध्यप्रदेश पुलिस की क्षमता वृद्धि की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे कानून-व्यवस्था प्रबंधन, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराधों की रोकथाम, महिला एवं बाल सुरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, सामुदायिक पुलिसिंग तथा आगामी सिंहस्थ-2028 जैसे विशाल आयोजन की सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई भर्ती से पुलिस बल को नई ऊर्जा प्राप्त होगी तथा आमजन को और अधिक प्रभावी एवं त्वरित पुलिस सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उल्लेखनीय है कि गृह विभाग द्वारा भर्ती संबंधी चार पृथक आदेश जारी किए गए हैं।

हिसार-तिरुपति-हिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का अब नियमित नम्बर से संचालन

मंडल के संत हिरदाराम नगर, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहराव

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुविधा एवं बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा पूर्व में स्पेशल ट्रेन के रूप में संचालित गाड़ी संख्या 04717/04718 हिसार-तिरुपति-हिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस को नियमित करते हुए रेगुलर नम्बर से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। अब यह ट्रेन नियमित नम्बर 1472/14724 हिसार-तिरुपति-हिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में संचालित होगी। यह ट्रेन मंडल के संत हिरदाराम नगर, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों से होकर अपने गंतव्य तक जाएगी।

1472/14724 हिसार-तिरुपति-हिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित नम्बर के साथ समय सारिणीः-

गाड़ी संख्या 1472 हिसार-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस 25 जुलाई 2026 से प्रत्येक शनिवार को हिसार से दोपहर 14:10 बजे प्रस्थान कर, निर्धारित मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन सोमवार को सुबह 09:0 बजे तिरुपति पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 14724 तिरुपति-हिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस 27 जुलाई 2026 से प्रत्येक सोमवार को तिरुपति से रात्रि 2:10 बजे प्रस्थान कर, निर्धारित मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुए बुधवार को रात्रि 22:40 बजे हिसार पहुँचेगी।

ठहराव स्टेशनः- सादुलपुर, लोहारू, सूरजगढ़, चिड़ावा, झुंझुनू, नवलगढ़, सीकर, रींगस, दहर का बालाजी, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंज मंडी, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, भोपाल, इटारसी, नागपुर, बल्हारशाह, सिरपूर कागज़नगर, वरंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लूर, गूडूर जंक्शन एवं रेणिगुंटा जंक्शन।

कोच संरचना- इस ट्रेन में 02 एसी द्वितीय श्रेणी, 07 एसी तृतीय श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी, 02 एसएलआरडी सहित कुल 2 कोच रहेंगे। यात्री इस नियमित नम्बर वाली ट्रेन की विस्तृत समय-सारणी एवं सीट उपलब्धता की जानकारी एनटीईएस ऐप अथवा भारतीय रेलवे की आधिकारिक पूछताछ वेबसाइट पर प्राप्त कर सकते हैं।

तेज बारिश की वजह से बेगमगंज-सुल्तानगंज मार्ग बहा, 50 गांवों का संपर्क टूटा; आवाजाही प्रभावित

रायसेन (ए.)। बीती रात हुई मूसलाधार बारिश ने रायसेन जिले के ग्रामीण इलाकों की जीवनरेखा को ही तोड़ दिया है। बेगमगंज से सुल्तानगंज को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। सेमरी नदी पर पुल निर्माण के चलते बनाया गया अस्थायी रास्ता तेज बहाव में बह गया, जिससे करीब 50 गांव बाकी दुनिया से कट गए हैं।

लगातार बारिश के कारण सेमरी नदी उफान पर थी। निर्माणाधीन पुल के पास आवागमन के लिए डाला गया मिट्टी और बोल्डर का अस्थायी बायपास पानी का दबाव नहीं झेल सका और बह गया। सुबह होते-होते स्थिति साफ हो गई कि बेगमगंज, सुल्तानगंज और तुलसीपार के बीच का रास्ता पूरी तरह बंद है।

इस मार्ग पर रोजाना स्कूल, मंडी, अस्पताल और जरूरी कामों के लिए सैकड़ों ग्रामीण आते-जाते हैं। संपर्क टूटते ही इन गांवों की दिनचर्या ठप पड़ गई। दूध, सब्जी और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

फिलहाल पानी का बहाव कम होने का इंतजार जारी

मौसम विभाग की चेतावनी के बीच जिले की दूसरी बड़ी नदी बारना का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है। जिला प्रशासन का कहना है कि बायपास बहने से रस्ते में पानी भर गया है फिलहाल पानी का बहाव कम होने का इंतजार किया जा रहा है, ताकि वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जा सके। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त अपील जारी की है। अधिकारियों ने कहा है कि उफनती नदी, डूबी पुलिया या बह चुके रास्तों को पार करने की कोशिश बिल्कुल न करें। थोड़ी सी जल्दबाजी जानलेवा साबित हो सकती है।

प्रशासन की टीमें मौके पर डटी हैं

एसडीएम ने कहा, सेमरी का बहाव अभी बहुत तेज है। कुछ देर में पानी उतर जाएगा, तब तक धैर्य रखें। जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाएंगे। राहत और बचाव दल तैयार हैं। मीडिया के माध्यम से भी लोगों तक यही संदेश पहुंचाया जा रहा है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल सरकारी सूचना पर भरोसा करें। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बारिश से खेतों में पानी भरने से फसल को भी नुकसान हो सकता है। स्थानीय लोग बताते हैं कि हर बरसात में यही समस्या आती है। अस्थायी रास्ते हर बार बह जाते हैं।

फिलहाल प्रशासन की टीमें मौके पर डटी हैं। जब तक पानी उतर नहीं जाता, तब तक इन 50 गांवों के लिए इंतजार ही एकमात्र रास्ता है।

चलती कार में बंदूक के साथ रील बनाना पड़ा भारी, वीडियो वायरल होने के बाद दो गिरफ्तार

सागर (ए.)। सागर जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाने और गाड़ियों में स्टंटबाजी करने का खुमार युवकों पर भारी पड़ गया। चलती कार में दोनाली बंदूक लहराकर रील बनाने वाले दो युवकों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला ?

दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। इसमें कुछ युवक चलती कार में लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए खुलेआम दोनाली बंदूक का प्रदर्शन कर रहे थे। वीडियो सामने आते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और बीते दिन प्राथमिकी (FIR) दर्ज की।

अयान और कैफ के रूप में हुई पहचान

जांच के दौरान पुलिस ने वीडियो का विश्लेषण किया, जिससे कार में स्टंट कर रहे युवकों की पहचान अयान खान और कैफ पठान के रूप में हुई। पहचान की पुष्टि होते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

खेत बना मौत का मैदानः पन्ना में जहरीले सियार के शव को खाने से आठ गिद्धों की मौत की आशंका; वन विभाग में हड़कंप

पन्ना (ए.)। पन्ना जिले से वन्यजीव संरक्षण को झकझोर देने वाली एक बेहद चिंताजनक खबर सामने आई है। गिद्धों के संरक्षण और उनकी बढ़ती संख्या के लिए देशभर में पहचान बना चुके पन्ना में एक साथ आठ दुर्लभ गिद्धों के शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। शुरुआती आशंका है कि एक सियार की जहरीले पदार्थ से मौत हुई थी और उसके शव को खाने के बाद गिद्ध भी जहर का शिकार हो गए। फिलहाल वन विभाग ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और सैंपल प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

खेत में मिले मृत गिद्ध

मामला पन्ना उत्तर वन मंडल के वन परिक्षेत्र से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित पहाड़ीखेरा गांव का है। किसान राम स्नेही प्रजापति के खेत में एक साथ आठ गिद्धों और एक सियार के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे क्षेत्र को सुरक्षित किया गया और साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की गई।

जांच के बाद होगा खुलासा

प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि करीब एक सप्ताह पहले किसी जहरीले पदार्थ के सेवन से सियार की मौत हुई होगी।

एफआईआर के बाद भी खुलेआम घूम रहे आरोपी! दिव्यांग दंपती पहुंचे कलेक्टर के पास; जान को बताया खतरा

उज्जैन (ए.)। उज्जैन जिले की खाचरौद तहसील के बेहलोला गांव से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 18 जुलाई को एक दिव्यांग दंपती के साथ मारपीट हुई। मामले में एफआईआर भी दर्ज हुई, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। पीड़ित दंपती अब न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

जमीन विवाद में दिव्यांग दंपति की पिटाई

क्या है पूरा मामला ?

पीड़िता अंतरबाई और उनके पति जगदीश का आरोप है कि गांव के कुछ लोगों और रिश्तेदारों द्वारा उन्हें लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा है।

उज्जैन पुलिस का खुलासा : इंस्टाग्राम से हनीट्रैप कर युवकों को बनाते थे ब्लैकमेल का शिकार; दस आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन (ए.)। सोशल मीडिया पर दोस्ती अब जानलेवा हो गई है। उज्जैन के थाना नानाखेड़ा पुलिस ने एक ऐसे संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है जो इंस्टाग्राम पर हनीट्रैप कर युवकों का अपहरण करता था, मारपीट कर आपत्तिजनक वीडियो बनाता था और फिर मोटी फिरौती वसूलता था।

20 जुलाई 2026 को ग्राम नरवर निवासी हैदर पटेल उम्र 29 ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि इंस्टाग्राम पर अंजली नाम की युवती ने उससे नौकरी के बहाने दोस्ती की और मिलने बुलाया। मिलते ही मुख्य आरोपी लोकेश शर्मा और उसके साथियों ने हैदर का अपहरण कर लिया। उसके साथ मारपीट की, आपत्तिजनक वीडियो बनाया और झूठे केस में फंसाने व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 50 लाख की फिरौती मांगी।

सौदा 26 लाख में तय हुआ। हैदर के पिता से 10 लाख ले लेने के बाद उसे छोड़ा गया, लेकिन बाकी 16 लाख की मांग जारी रही। इस पर थाना नानाखेड़ा में अपराध क्रमांक

353/2026 धारा 140(3), 308(6), 61(2), 115(2), 351(3), 3(5) BNS के तहत केस दर्ज किया गया। एसपी उज्जैन के निर्देश पर,एस्क पश्चिम गुरुप्रसाद पाराशर और CSP नानाखेड़ा श्वेता गुप्ता के नेतृत्व में TI नरेन्द्र कुमार यादव की टीम ने तकनीकी और साइबर जांच के बाद मुख्य आरोपी लोकेश शर्मा सहित 10 आरोपियों को दबोच लिया।

पूछताछ में बड़ा खुलासा

आरोपियों ने बताया कि ये गिरोह पहले ऐसे लोगों की जानकारी जुटाता था जिनके पास हाल में पैसा आया हो। इदरीश पटेल ने हैदर की इंस्टा आईडी और आर्थिक स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद अंजली ठाकुर ने हनीट्रैप कर उसे जाल में फंसाया।

गिरफ्तार 10 आरोपी

1. लोकेश शर्मा - मक्सी रोड, उज्जैन - मुख्य आरोपी
2. राजपाल सिंह राठौड़ - इंगौरिया
3. पंकज बमोरिया - अंतीपुरा
4. यशवंत देवड़ा - तिरुपति धाम
5. आर्यन राठौर - तिरुपति धाम
6. लखन पंवार - पिपलिया डाबी
7. इदरीश पटेल - नरवर - जानकारी देने वाला
8. इमरान उर्फ राजा पटेल - बदरखा
9. जयसिंह चौहान - बदरखा
10. आयुष जाटवा - भैरूनाला

अभी भी फरार

11. दीपक राजपूत - पंवासा
12. अंजली ठाकुर - भोपाल - हनीट्रैप करने वाली युवती

पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

बीना स्टेशन से चोरी हुई आठ माह की मासूम 48 घंटे में बरामद, आरोपी महिला इटारसी से गिरफ्तार

सागर (ए.)। बीना रेलवे स्टेशन से चोरी हुई आठ माह की मासूम बच्ची के मामले में जीआरपी (रेलवे पुलिस) को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना के महज 48 घंटे के भीतर मासूम बच्ची को सुरक्षित दस्तयाब कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

प्लेटफॉर्म पर सोते समय गायब हुई थी बच्ची

जानकारी के अनुसार, फरियादी सकीना नाथ (पति

राजू नाथ, निवासी सूखीसेवनिया) बीना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर अपनी आठ महीने की मासूम बेटी के साथ सो रही थीं। सुबह जब उनकी नींद खुली, तो बच्ची पास में नहीं थी।

आसपास के लोगों और दुकानदारों से पूछताछ करने पर पता चला कि कोई अज्ञात महिला बच्ची को अपने साथ ले गई है। फरियादी की शिकायत पर जीआरपी थाना बीना में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

ट्रैफिक सुधारने मैदान में उतरे एसपी, यातायात थाने में लगाई अफसरों-कर्मचारियों की क्लास

शहडोल (ए.)। शहडोल में बिगड़ी यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने यातायात थाने का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रिकॉर्ड, सीसीटीवी और उपकरणों की जांच कर कर्मचारियों को अनुशासन, बॉडी कैमरा, रेडियम जैकेट और आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दतिया उपचुनाव : मंत्री के सामने युवक ने कहा- 'लठ से वोट डलवाएंगे', 20 सेकंड के वायरल वीडियो पर सियासत गरमाई

दतिया (ए.)। दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव की सरगर्मी के बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद सियासत गरमा गई है। वीडियो में एक युवक कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला के सामने कथित तौर पर जबरन वोट डलवाने की बात करता दिख रहा है। क्लिप सामने आते ही कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गईं हैं और चुनाव आयोग से शिकायतों का दौर शुरू हो गया है। वायरल हो रहे 20 सेकंड के वीडियो में भाजपा का जनसंपर्क अभियान चल रहा है। इसी दौरान एक युवक मंत्री राकेश शुक्ला के पास पहुंचकर कहता सुनाई देता है कि लठ से वोट करवाएंगे, मारपीट करके और पकड़कर लोगों से वोट डलवाएंगे। वीडियो में मंत्री मुस्कुराकर युवक की पीठ थपथपाते और अरे वाह कहते भी नजर आ रहे हैं।

व्यापार समाचार

सोने का भाव 473 रुपए गिरा और चांदी में 462 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सोने का भाव 473 रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे आया, जबकि चांदी भी 462 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं की चमक फीकी पड़ी है, जिससे घरेलू कीमतों पर दबाव बना। एमसीएक्स पर सोना 473 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,207 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी का भाव भी 462 रुपये गिरकर 2,26,536 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, सोना 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,131 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है, जबकि चांदी 0.26 प्रतिशत की कमी के साथ 60.18 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते

तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि पिछले दो कारोबारी सत्रों में निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से सोना करीब 3 फीसदी चढ़कर 4,130 डॉलर प्रति औंस के स्तर के आसपास मजबूत हुआ था। वहीं देश के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के हाजिर भाव में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु जैसे अन्य बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और पटना सहित कई शहरों में 10 ग्राम चांदी का भाव 2,400 रुपये पर स्थिर रहा। हालांकि, मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई में चांदी थोड़ी महंगी रही, जहां 10 ग्राम का भाव 2,450 रुपये दर्ज किया गया।

IDBI: आईडीबीआई बैंक का 53,000 करोड़ रुपये का विनिवेश, फेयरफैक्स बनेगा नया मालिक

नईदिल्ली (ए.)। आईडीबीआई बैंक का विनिवेश अब अंतिम चरण में है। सरकार और एलआईसी बैंक में 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेच रहे हैं। कनाडाई निवेश कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंसियल होल्डिंग्स यह सौदा कर रही है।

द बोनस की एक रिपोर्ट के अनुसार यह सौदा लगभग 53,000 करोड़ रुपये का है। प्रति शेयर कीमत करीब 81 रुपये तय की गई है। यह भारतीय बैंकिंग इतिहास के सबसे बड़े विदेशी निवेशों में से एक है। आईडीबीआई बैंक की शुरुआत 1964 में एक विकास वित्तीय संस्था के रूप में हुई थी। यह 2004 में एक वाणिज्यिक बैंक बना, पर 2010 के बाद खराब ऋण संकट में फंसा।

रुपया पांच पैसे मजबूत होकर 96.48 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया बुधवार को 28 पैसे की गिरावट के साथ 96.53 डॉलर पर बंद हुआ था

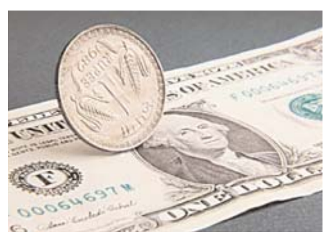

मुंबई (ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.48 पर पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव कायम है।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में लगातार कमजोर धारणा से भी रुपये पर दबाव बना रहा। हालांकि, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से स्थानीय मुद्रा को कुछ राहत मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.53 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़कर 96.48 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है।

ईरान पर अमेरिकी हमलों से बाजार में चिंता, लगातार चौथे दिन सेंसेक्स-निफ्टी फिसले

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। इस कारण सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर आ गया।

बाजार में व्यापक रूप से नकारात्मक रुझान देखने को मिला। अधिकांश निफ्टी सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में चार फीसदी की गिरावट आई। श्रीराम फाइनेंस के शेयर भी तीन फीसदी नीचे बंद हुए। निवेशकों में चिंता का माहौल बना रहा। तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बनी हुई हैं। अमेरिकी सेना ने ईरान पर लगातार 12वीं रात हवाई हमले किए हैं। इसका सीधा असर कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर पड़ा है।

AI का असरः उबर ने ग्राहक सेवा में 10 फीसदी कर्मचारियों की फिर की छंटनी, जानिए क्या है अपडेट

नई दिल्ली (ए.)। राइड हेलिंग कंपनी उबर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने अपने ग्राहक सेवा परिचालन में 10 फीसदी नौकरियों की छंटनी कर दी है। यह कदम कंपनी की संरचना को सरल बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह छंटनी बुधवार को सामुदायिक परिचालन टीम में की गई। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि उबर अपनी टीमों को सरल बनाना चाहती है। इसका लक्ष्य कार्यालय में लोगों के बीच बेहतर सहयोग बढ़ाना भी है। उबर एआई का ज्यादा-से-ज्यादा इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। उबर की वैश्विक सामुदायिक परिचालन की उपाध्यक्ष मेगा येथातिका ने एक ज्ञापन में लिखा कि कंपनी की संरचना बहुत जटिल हो गई है।

होंडा जल्द ही नई फ्लैगशिप एसयूवी जेडआर-वी हाइब्रिड करेगी लांच

नई दिल्ली (ए.)। जल्द ही होंडा भारतीय बाजार में अपनी नई फ्लैगशिप एसयूवी, जेडआर-वी हाइब्रिड, लॉन्च करने वाली है। यह लग्जरी एसयूवी होंडा को एक नए और महंगे सेगमेंट में स्थापित करेगी। जुलाई 2026 में इसकी कीमतों की घोषणा की जाएगी। इसी महीने से डिलीवरी भी शुरू हो जाएगी, जिसकी बुकिंग मई 2026 से जारी है। यह एसयूवी सीबीयू रूट के माध्यम से विदेश से आयात की जाएगी, जिससे इसकी सीमित उपलब्धता होगी। भारतीय मार्केट में इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 40 लाख रुपये से 50 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इसका सीधा मुकाबला फॉक्सवैगन टिगुआन, स्कोडा कोडियाक और जीप मेरिडियन जैसी प्रीमियम एसयूवी से होगा। जेडआर-वी हाइब्रिड में 2.0-लीटर चार-

सिलेंडर पेट्रोल इंजन के साथ डुअल-मोटर हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा, जो कुल 184बीएचपी की पावर और 315 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। होंडा का दावा है कि यह एसयूवी मात्र 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और 22.80 किमी/लीटर का बेहतरीन माइलेज देगी।

इसकी टॉप स्पीड 172 किमी/घंटा है। इसके मॉडर्न केबिन में 9-इंच का इंफोटेनमेंट डिस्प्ले (वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ) और 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। अन्य प्रीमियम फीचर्स में पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग, पावर्ड फ्रंट सीट्स और 12-स्पीकर बोस ऑडियो सिस्टम शामिल हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 8-एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और लेवल-2 अडास जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

जैसा रास्ता,वैसी मंजिल!

वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति औसत आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है, जिससे वे उच्च मध्यम आय वर्ग में पहुंच गए हैं। भारत अभी इस मंजिल से कोसों दूर है। विश्व बैंक ने बीते हफ्ते वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन को उच्च-मध्यम आय वर्ग वाली देशों की श्रेणी में डाल दिया, जबकि जाहिर हुआ कि भारत अभी इस मंजिल से बहुत दूर है। सबसे तेजी से उठती अर्थव्यवस्था और विकसित भारत की कहानियों में यकीन करने वाले समूहों में इस खबर से बड़ी बेचैनी देखी गई है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर देशों की श्रेणी बनाता है। 1,176 से 4,635 डॉलर प्रति व्यक्ति औसत आय वाले देशों को निम्न मध्य आय वर्ग में रखा जाता है। वियतनाम, श्रीलंका, फिलीपीन्स और जॉर्डन की प्रति व्यक्ति आय 4,635 डॉलर से अधिक हो गई है। जबकि भारत अभी 2,760 डॉलर तक ही पहुंच पाया है।

अपने यहां सबसे ज्यादा व्यग्रता इस तथ्य से पैदा हुई है कि वियतनाम भारत के दो साल बाद यानी 2009 में निम्म मध्यम वर्ग आय श्रेणी में पहुंचा था। उसके 17 साल बाद वह अगली श्रेणी में जा पहुंचा है। जबकि डेमोग्रैफिक डिविडेंड, बड़े उपभोक्ता बाजार और दूरदर्शी नेतृत्व आदि जैसी कथाओं में खोये भारत के सामने मिडल इनकम ट्रैप में फंसे रह जाने की परिस्थिति आ खड़ी हुई है। यहां जानबूझ कर निर्मित निराधार कहानियों ने मानव विकास की उपेक्षा, अनुसंधान एवं विकास की अनदेखी, कारोबार के रास्ते में मौजूद रुकावटों से बेपरवाही तथा आर्थिक और वित्तीय शक्तियों के कुछ घरानों में केंद्रित होते चले जाने की हकीकत पर परदा डाले रखा है।

दूसरी तरफ वियतनाम ने प्रशिक्षित श्रमिक वर्ग तैयार किया, जिससे 'चाइना+1' का दौर आने पर उसका लाभ उठाने में वह सफल हुआ। वह मैनुफैक्चरिंग को बहुरूप देने और निर्यात उन्मुख नीतियों पर अमल करने में कामयाब हुआ। नतीजतन, वहां लाखों नई नौकरियां पैदा हुईं, जिनसे आम जन की आमदनी बढ़ी। फिलीपीन्स पश्चिमी कंपनियों की जरूरत के मुताबिक सेवा प्रदान करने के ढांचे की बदौलत आगे बढ़ा है, तो चार साल पहले व्यापक अस्थिरता का शिकार हुआ श्रीलंका फिर से विकास मार्ग पर चल निकला है। इसके विपरीत भारत के नीति-निर्माता वर्तमान की बलि चढ़ा कर अतीत के गौरव की तलाश में मग्न रहे हैं, तो उसके परिणाम से हम कैसे बच सकते हैं!

लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन: जनहित का संवैधानिक अधिकार या दलगत टकराव का अखाड़ा?

क्या आज आंदोलन जनहित और नीति- सुधार से अधिक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और दलगत हितों के इर्द-गिर्द केंद्रित होते जा रहे हैं?

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत का लोकतंत्र अपनी सबसे बड़ी शक्ति जनता की भागीदारी, असहमति के सम्मान और शांतिपूर्ण विरोध की परंपरा से प्राप्त करता भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धरना,प्रदर्शन, सत्याग्रह और जनआंदोलन केवल विरोध के साधन नहीं होते,बल्कि वे शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने के संवैधानिक माध्यम भी माने जाते हैं। भारत की सभ्यता में भी अहिंसक प्रतिरोध की परंपरा अत्यंत प्राचीन रही है,जिसे आधुनिक युग में महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के रूप में विश्व के सामने स्थापित किया।स्वतंत्रता संग्राम से लेकर किसानों,मजदूरों,छात्रों, महिलाओं और सामाजिक संगठनों तक,शांतिपूर्ण आंदोलनों ने समय-समय पर सरकारों को जनभावनाओं पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।यही लोकतंत्र की आत्मा है कि सरकार और विपक्ष दोनों जनता के प्रति जवाबदेह रहें तथा मतभेदों का समाधान संविधान और संवाद के माध्यम से खोजें। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि़ समय के साथ-साथ आंदोलन की प्रकृति में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई देने लगा है। आज अनेक अवसरों पर यह धारणा बनती जा रही है कि कई आंदोलन जनहित और नीति-सुधार से अधिक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और दलगत हितों के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गए हैं। जनता के एक वर्ग में यह प्रश्न उठने लगा है कि क्या धरना-प्रदर्शन अब लोकतांत्रिक विमर्श का माध्यम रह गए हैं,अथवा वे राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का उपकरण बनते जा रहे हैं? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के समानांतर सड़क पर संघर्ष की राजनीति बढ़ती दिखाई दे रही है।इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2026 का मानसून संसद सत्र विशेष चर्चा का विषय बन गया है। 20 जुलाई से प्रारंभ हुए संसद सत्र के साथ ही विभिन्न विपक्षी दलों ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति अपनाई। यूजीसी-नेट,शिक्षा व्यवस्था,छात्रों के मुद्दे,कथित पुलिस कार्रवाई तथा शिक्षामंत्री से इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद के भीतर और बाहर दोनों स्थानों पर आक्रामक रुख अपनाया, दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन को व्यापक राजनीतिक समर्थन मिलने लगा,जिसमें विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं की भागीदारी ने इसे केवल एक छात्र या सामाजिक आंदोलन न रहने देकर राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बना दिया।अब धरना स्थल पर भगदड़, पीएम के आवास पर धरना, फिर 22 जुलाई 2026 को सत्ताधारी पार्टी द्वारा भी आंदोलन धरना व तेलंगाना में दोनों पार्टियों क़े कार्यकर्ताओं की झड़प यह सब मीडिया में आ रहा है जिसे जनता, मतदाता व पूरा विश्व देख रहे हैं।

साथियों इसी क्रम में पर्यावरण कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन को भी विपक्ष ने समर्थन दिया। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की गई और न्यायालय के सुझाव के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे आंदोलन को मानवीय और राजनीतिक दोनों दृष्टियों से व्यापक चर्चा मिली। लोकतंत्र में किसी भी नागरिक को अपनी बात रखने का अधिकार है,किंतु जब ऐसे आंदोलनों के साथ राजनीतिक दल खुलकर जुड़ते हैं तो आंदोलन का स्वरूप स्वत: व्यापक राजनीतिक बहस का विषय बन जाता है। सरकार इसे राजनीतिकरण कहती है, जबकि विपक्ष इसे लोकतांत्रिक समर्थन बताता है। दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं, किंतु अंतिम निर्णय जनता की लोकतांत्रिक समझ पर ही सटीकता से निर्भर करता है।

साथियों, इन घटनाओं के समानांतर संसद के भीतर भी लगातार हंगामा, नारेबाजी, स्थगन और बहिर्गमन जैसी स्थितियां देखने को मिलीं।संसद का प्रत्येक मिनट राष्ट्रीय संसाधनों,करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व से जुड़ा होता है। जब 25 दिन के निर्धारित संसदीय सत्र का बड़ा हिस्सा व्यवधानों में व्यतीत होता है,तबस्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि क्या जनहित से जुड़े विधेयक, आर्थिक सुधार, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर्याप्त चर्चा प्राप्त कर पाएंगे? लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व सरकार से कठोर प्रश्न पूछना है, वहीं सरकार का दायित्व उत्तर देना और संसद चलाना है। यदि दोनों पक्ष संवाद के स्थान पर केवल टकराव का मार्ग अपनाते हैं तो अंतत: नुकसान सटीकता से जनता का होता है।

साथियों, स्थिति तब और अधिक गंभीर दिखाई दी जब संसद के बाहर पीएम के आधिकारिक आवास के निकट प्रमुख विपक्षी पार्टी द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का मुख्य आधार नीट पेपर लीक,छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई तथा शिक्षा संबंधी मुद्दे बताए गए। विपक्ष का कहना था कि वह छात्रों की आवाज़ को सरकार तक पहुंचाना चाहता है, जबकि सत्तापक्ष ने इसे सुरक्षा व्यवस्था और संवैधानिक मर्यादाओं के विरुद्ध राजनीतिक प्रदर्शन बताया। पीएम आवास जैसे अति- संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन ने स्वाभाविक रूप से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई और राजनीतिक वातावरण और अधिक गर्म हो गया।इसके तुरंत बाद प्रमुख सत्ताधारी पार्टी ने भी प्रमुख विपक्षी पार्टी के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन प्रारंभ कर दिए। अनेक राज्यों में प्रमुख सत्ताधारी पार्टी क़े कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और विपक्ष के आरोपों का प्रतिवाद किया।यह घटनाक्रम लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का स्वाभाविक हिस्सा माना जा सकता है, किंतु जब जवाबी प्रदर्शन भी समान तीव्रता से शुरू होते हैं तो राजनीतिक तनाव कई गुना बढ़ जाता है। तेलंगाना सहित कुछ स्थानों पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की मीडिया में आई खबरों ने चिंता और बढ़ा दी। लोकतंत्र में विचारों का संघर्ष स्वीकार्य है,परंतु यदि वह शारीरिक टकराव का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है।

साथियों,आज सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के युग में भारत की प्रत्येक राजनीतिक गतिविधि केवल देश की जनता ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व भी देखता है। भारत स्वयं को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसे में संसद के भीतर लगातार व्यवधान, सड़क पर राजनीतिक संघर्ष, आरोप-प्रत्यारोप और कार्यकर्ताओं के बीच टकराव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकतांत्रिक परिपक्वता के संदर्भ में चर्चा का विषय बनते हैं। लोकतंत्र की शक्ति केवल चुनावों में नहीं, बल्कि असहमति को गरिमा के साथ संभालने की क्षमता में भी निहित होती है। साथियों,राजनीतिकविश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि जनता अब केवल भाषणों और नारों के आधार पर निर्णय नहीं करती।मतदाता शिक्षा,रोजगार,महंगाई,कृषि स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, कानून-व्यवस्था और आर्थिक अवसरों जैसे ठोस मुद्दों पर सरकार और विपक्ष दोनों का मूल्यांकन करता है। यदि संसद का समय बार-बार हंगामे में व्यतीत होता है और जनहित के प्रश्न पीछे छूट जाते हैं, तो मतदाता दोनों पक्षों के आचरण का आकलन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर करता है। इसलिए कई विश्लेषक यह संभावना व्यक्त करते हैं कि अंतत: जनता अपने मताधिकार के माध्यम से राजनीतिक दलों के व्यवहार पर प्रतिक्रिया देती है। यह प्रतिक्रिया किसके पक्ष में जाएगी, इसका निर्णय केवल चुनाव परिणाम ही करते हैं।

यह युवाओं में भरा हुआ गुस्सा है!

अजीत द्विवेदी

जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल और कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन एक सामान्य सी मांग को लेकर शुरू हुआ था। छह जून को अमेरिका से लौटे अभिजीत दीपके ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन का आयोजन किया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अमेरिका में रहते हुए एक सोशल मीडिया हैंडल बनाया था, जिसका नाम रखा था 'कॉकरोच जनता पार्टी'। बाद में इसके एक्स हैंडल को सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया तो 'कॉकरोच इज बैक' नाम से दूसरा हैंडल बनाया गया। सो, कुल मिला कर यह एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बना हैंडल है, जिसने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को मुद्दा बनाया था। 28 जून को वापस जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू करने से पहले दीपके ने महाराष्ट्र के अपने गांव से कई संदेश दिए और जयपुर व नागपुर में भी प्रदर्शन किया। हर जगह उन्होंने एक ही मुद्दा उठाया कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।

यह विशुद्ध रूप से एक एक लोक लुभावन राजनीतिक नारा था और तभी इसे जमीनी स्तर पर बहुत समर्थन नहीं मिला। जिस तेजी से सोशल मीडिया हैंडल पर इसके फॉलोवर बढ़े थे वह तेजी दो दिन के बाद ही थम गई। छह जून के प्रदर्शन को सीमित सफलता मिली। दीपके तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद बेहोश हो गए और एसी गाड़ी में बैठने चले गए। तब ऐसा कतई नहीं लगा था कि यह आंदोलन इतना बड़ा होगा और इससे देश भर के छात्र, युवा और उनके अभिभावक जुड़ जाएंगे।

इसका श्रेय जाता है सोनम वांगचुक को। उन्होंने इस आंदोलन को एक व्यापक स्वरूप दिया। वे शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और उनकी अपनी एक नैतिक ताकत है। जैसे अन्ना हजारे की पहचान भ्रष्टाचार विरोधी समाजसेवी की थी वैसे ही सोनम वांगचुक की छवि एजुकेटर और इनोवेटर की है। इसलिए जब वे आंदोलन से जुड़े और उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ साथ शिक्षा व परीक्षा की ग़डबड़ियों को मुख्य मुद्दा बनाया तब इस आंदोलन का दायरा बढ़ गया।

सरकार इस बात को समझने में नाकाम रही कि यह आंदोलन बहुत बड़ा हो गया है। वह इसकी तीव्रता और व्यापकता को जंतर मंतर पर जुड़ी भीड़ से माप रही थी। जबकि यह जंतर मंतर से ही नहीं, बल्कि सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी की सीमाओं से भी व्यापक हो गया है। जो लोग भी इसका आकलन जंतर मंतर की भीड़ से करेंगे वे धोखा खाएंगे। इस आंदोलन का दायरा पूरे देश में फैल गया है। देश के अलग अलग हिस्सों में जितने लोग इस आंदोलन का समर्थन करने निकल रहे हैं उसके कई गुना ज्यादा लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसका समर्थन कर रहे हैं और उससे भी कई गुना ज्यादा लोगों के दिलों में इस आंदोलन को लेकर समर्थन का भाव पैदा हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि देश का हर परिवार इससे अपने को जुड़ा हुआ पा रहा है।

असल में हर राज्य में और हर तरह की परीक्षा में गड़बड़ी हो रही है। यह गड़बड़ी कई किस्म की है। कहीं समय से परीक्षा नहीं हो रही है, परीक्षा हो रही है तो पेपर लीक हो जा रहा है, नतीजों में देरी हो रही है, नतीजों जारी हो रहे हैं तो उनमें गड़बड़ी हो जा रही है, नतीजे आने के बाद भी नियुक्ति नहीं हो रही है और इस पूरी प्रक्रिया में हर साल लाखों बच्चों की उम्र सीमा निकल जा रही है। उसको भले यह नहीं लग रहा हो कि इस आंदोलन से उसकी समस्याओं का पूरा समाधान हो जाएगा फिर भी वह इसलिए इससे जुड़ रहा है क्योंकि उसे यह आंदोलन अपने संचित आक्रोश की अभिव्यक्ति प्रतीत हो रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी भले मई में बनी या सोनम वांगचुक भले शिक्षा का मुद्दा लेकर 28 जून को भूख हड़ताल पर बैठे परंतु छात्रों का मुद्दा मई या जून का नहीं है। पिछले कई बरसों से छात्र और युवा इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनके अंदर बरसों से जो गुस्सा इकट्ठा हो रहा था वह इस आंदोलन में अभिव्यक्त हो रहा है।केंद्र सरकार इस आंदोलन को लेकर एक के बाद एक गलतियां करती जा रही है। सोनम वांगचुक के आंदोलन की अनदेखी करना एक गलती थी तो दूसरी गलती पुलिस भेज कर उनको जंतर मंतर से उठवा लेने की थी। तीसरी गलती यह थी कि सरकार ने कोई बैक चैनल वार्ता नहीं की। सीधे जेपी नड्डा से 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रतिनिधियों की मुलाकात कराई गई। यह मुलाकात भी ऐसे समय में हुई, जब हजारों की संख्या में छात्र और युवा सड़क पर थे। उनके ऊपर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नेताओं का कोई नियंत्रण नहीं था। इसलिए बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला।चौथी गलती यह है कि सरकार छात्रों और युवाओं के आंदोलन को आपराधिक कृत्य बताने का नैरेटिव पुश कर रही है। पुलिस मुकदमे दर्ज कर रही है। सीसीटीवी देख कर आंदोलनकारियों की पहचान की जा रही है। मीडिया में फुटेज लीक करके यह नैरेटिव बनाया जा रहा है कि छात्रों ने पुलिस पर पत्थर फेंके या हमला किया। हो सकता है कि बाद में वार्ता में इसका मोलभाव के तौर पर इस्तेमाल किया जाए। लेकिन यह तय मानें कि छिटपुट घटनाओं को आधार बना कर युवाओं के स्वंयस्फूर्त आंदोलन की साख बिगाड़ने की कोशिश से सरकार की छवि सकारात्मक नहीं बनेगी। उलटे युवाओं में सरकार और भाजपा को लेकर नाराजगी और बढ़ेगी।

ध्यान रहे इससे पहले हर आंदोलन में कुछ न कुछ हिंसा, तोड़फोड़ और आपराधिक कृत्य हुए। जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के दौरान बडौदा डायनामाइट कांड हुआ था। इस सिलसिले में जॉर्ज फर्नांडीज गिरफ्तार हुए थे। आरोप लगे थे कि उन्होंने रेल के पुल और पटरियां उड़ाने के लिए डायनामाइट की तस्करी की थी। लेकिन क्या इस आपराधिक आरोप के आधार पर जेपी के आंदोलन को परिभाषित किया जाएगा? अगर सरकार यह सोच रही है कि प्रदर्शनकारियों पर मुकदमे दर्ज करके या उनको साजिश का हिस्सा बता कर या उनको हिंसक व मोदी विरोधी बता कर इस आंदोलन की साख बिगाड़ देगी या इससे मोदी समर्थक भी प्रदर्शनकारियों के बारे में ऐसा ही सोचना लगेंगे तो यह बड़ी गलतफहमी है।

बच्चे मोदी समर्थकों के घरों में भी हैं और परीक्षा की गड़बड़ियों का असर उनके ऊपर भी समान रूप से हुआ है। इसलिए प्रदर्शन को क्रिमिनलाइज करने की कोशिश बैकफायर कर जाएगी।

थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्र: क्लीन एनर्जी, सुरक्षित भविष्य

योगेश कुमार गोयल

थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

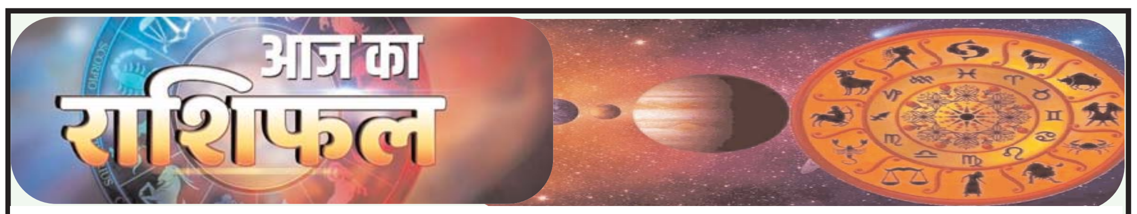

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के चांस बन रहे है।

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी। नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं, अपने काम को सावधानी और ईमानदारी से करें।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा।

जेनरेशन-ज़ेड ने हिलाई लुटियंस दिल्ली

श्रुति व्यास

मैंने सोमवार सुबह यह गलत लिखा कि भारत की जेनरेशन-ज़ेड राजनीति से उदासीन है, डरपोक तरुणाई है और व्यवस्थापरस्त है। लेकिन सोमवार को ही नई दिल्ली की लुटियंस दिल्ली की सड़कों ने मेरा भ्रम चकनाचूर कर दिया। चार-चार परतों वाली बैरिकेडिंग, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ और दिल्ली-त्रिपुरा आदि की पुलिस के हजारों जवानों, दंगा-रोधी वाहन, नाकाबंदी, बंद मेट्रो स्टेशन और बाधित इंटरनेट के बावजूद युवाओं का जनसैलाब अकल्पनीय था। मैंने सोचा था कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठवा कर सरकार ने 20 जुलाई के प्रदर्शन को फुस्स कर दिया है। पर आज प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जान गए होंगे कि जिस युवापीढ़ी को वे अपना 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' मानते थे, वही अब जज़्बाती गुस्से में है।

मैं सुबह साढ़े दस बजे से शाम पाँच बजे तक संसद भवन के इर्द-गिर्द, रिज़र्व बैंक के आसपास, पटेल चौक, संचार भवन, जंतर-मंतर, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और रायसीना रोड पर उस युवा जोश से रूबरू थी, जिसमें लड़कों से अधिक लड़कियाँ गुस्से में दिखीं। पुलिस से लड़कियाँ न केवल भिड़ रही थीं, बल्कि वे मीडिया से भी बेबाकी से बोल रही थीं। पुलिसकर्मियों से वे पूछ रही थीं, क्या तुम्हारे बेटे-बेटियाँ नहीं हैं?

ऐसा दिन न अन्ना आंदोलन के समय था और न निर्भया आंदोलन के समय। जबकि आज पूरा दिन उमस से भरा था। इतनी उमस कि कपड़े शरीर से चिपक जाएँ। बादल बरसते, फिर धूप निकल आती, फिर बारिश लौट आती। लेकिन मौसम जितना भारी था, पुलिस बंदोबस्त जितने भारी थे युवाओं का उत्साह उससे कहीं अधिक था। समय बीतने के साथ भीड़ कम नहीं हुई, वह लगातार बढ़ती गई। जंतर-मंतर की ओर आने वाली लगभग हर सड़क छात्रों और युवाओं से भरी थी। नारे गूंज रहे थे। जोश, हिम्मत साफ महसूस हो रही थी। यदि कोई पूछता कि हाउ इज़ द जोश?, तो जवाब दिल्ली की सड़कें खुद दे रही थीं— हाई।

प्रदर्शन में केवल दिल्ली का ही युवा नहीं था। देश के अलग-अलग हिस्सों से छात्र पहुंचे थे। मेरी मुलाकात जयपुर से आए कुछ युवाओं से हुई, जो सिर्फ मार्च में शामिल होने नहीं, बल्कि एकजुटता जताने आए थे। पंजाब, मुंबई, हरियाणा और कई दूसरे राज्यों से भी छात्र पहुंचे थे। भीड़ में इंजीनियर थे, डिजाइनर थे, एमबीए के छात्र थे, कानून पढ़ने वाले थे, किसान परिवारों के युवा थे। कई पहली बार दिल्ली आए थे। वे सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने नहीं, बल्कि अपनी आवाज़ सुनाने आए थे।

भीड़ में मेरी मुलाकात दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेज़ी में स्नातक कर चुकी रागिनी से हुई। वह पुलिस की बैरिकेडिंग के ठीक बाहर खड़ी थी। कुछ ही मिनट पहले महिला पुलिसकर्मी उसे घसीट कर वहां तक लाई थीं। उसके छोटे-छोटे हाथों की त्वचा अब भी लाल पड़ी थी। कलाइयों पर उभरते नीले निशान साफ दिखाई दे रहे थे। लेकिन उसके चेहरे पर डर नहीं था। उल्टा, जैसे उस टकराव ने उसके इरादे को और धार दे दी हो। बात करते हुए वह अनमने ढंग से अपनी उंगलियां मोड़ती-खोलती रही, मानो दर्द अब उसके लिए मायने ही नहीं रखता। आंखों में आग थी, आवाज़ में ज़रा भी कंपन नहीं। वह मयूर विहार से प्रदर्शन देखने नहीं आई थी। वह उसका हिस्सा बनने आई थी

रागिनी ने बताया कि जिस मास्टर्स कोर्स में वह दाखिला लेना चाहती है, उसमें सामान्य वर्ग के लिए अब केवल 18 सीटें बची हैं। जिस एनसीसी मार्ग से आगे बढ़ने की उसने योजना बनाई थी, उसके पात्रता नियम भी बदल दिए गए हैं। और अगर वह अभी नौकरी करने लगे, तो मुश्किल से बारह हजार रुपये महीने कमा पाएगी। आप ही बताइए, उसने मुझसे पूछा, ग्रेजुएट होकर भी सिर्फ़ बारह हजार कमाऊंगी? फिर वह बोली, नेता अपने बच्चों को विदेश पढ़ने भेजते हैं। आलीशान ज़िंदगी जीते हैं। हमारा क्या? दोपहर तक रागिनी उस विशाल जनसमूह का सिर्फ़ एक चेहरा रह गई थी, जो देश के अलग-अलग हिस्सों से राजधानी के दिल की ओर बढ़ रहा था।

रागिनी अकेली नहीं थी। उसके जैसे सवाल पूरे प्रदर्शन में बार-बार सुनाई दे रहे थे।

संसद मार्ग के बाहर मेरी मुलाकात उन कुछ दोस्तों से हुई, जो सिर्फ़ एकजुटता जताने के लिए रातभर का सफ़र तय कर जयपुर से आए थे। पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से भी छात्र पहुंचे थे। कई तो सीधे रेलवे स्टेशन से अपने बैग कंधों पर लटकाए मार्च में शामिल हुए। उनमें से कई ने बताया कि यह उनके जीवन का पहला प्रदर्शन था।

थोड़ी देर बाद मेरी मुलाकात हिमांशी से हुई। वह और उसकी सहेलियाँ आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के बाद आगे बढ़ रही थीं। आँखें लाल थीं। हाथों और कलाइयों पर धक्का-मुक्की के निशान थे। लेकिन उनमें डर नहीं था। हिमांशी पिछले वर्ष ग्रेजुएशन कर चुकी है और फैशन इंडस्ट्री में काम करती है। उसके साथ काम करने वाली उसकी सहेलियाँ भी थीं। ढीली जींस, टी-शर्ट और सिर पर बंधे बैंडाना पहने ये युवा किसी राजनीतिक संगठन की पारंपरिक तस्वीर नहीं लग रहे थे। लेकिन बातचीत शुरू होते ही उनकी राजनीतिक चेतना साफ दिखाई देने लगी।

हर विषय की जांच को तैयार सरकार, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : नितिन नबीन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा है कि सरकार हर विषय की निष्पक्ष जांच कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान नितिन नबीन ने कहा कि सरकार त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था लाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके और दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिले।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री कोई संकल्प लेते हैं तो उसे पूरा करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है। उनके अनुसार, सरकार न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संकल्पबद्ध है।

भाजपा अध्यक्ष का यह बयान ऐसे समय आया है जब विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनीतिक बहस तेज है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने की संभावना है।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो युवकों की मौत

भिलाई नगर, (आरएनएस)। इस्पात नगरी भिलाई में गुरुवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक सेक्टर-6 के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सुबह लगभग 4 बजे सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर गुंडिचा मंडप के सामने, सेक्टर-9 से सेक्टर-6 जाने वाली सड़क पर हुई। कार क्रमांक CG 07 MB 5986 तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को कार से शराब की बोतलें और नमकीन के पैकेट मिले हैं। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

घटना की सूचना मिलते ही भिलाई नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेपर लीक पर सख्त कानून की वकालत, संबित पात्रा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पेपर लीक के मुद्दे पर सख्त कानून बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कांग्रेस पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय विपक्ष केवल राजनीतिक विरोध में लगा हुआ है।

संबित पात्रा ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, छात्र प्रतिनिधियों और सोनम वांगचुक के साथ हुई बातचीत में यह बात सामने आई कि पेपर लीक जैसे मामलों पर गंभीर मंथन और कड़े कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस विषय पर सदन में चर्चा नहीं चाहती और केवल राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का ऐतिहासिक निर्णय घोषित किया है।

संबित पात्रा के अनुसार, सरकार का उद्देश्य दोषियों के खिलाफ प्रभावी और शीघ्र कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना है, ताकि छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। यह भाजपा सांसद का सार्वजनिक राजनीतिक बयान है।

छात्रों के हित सर्वोपरि, दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) छात्रों से जुड़े मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर चर्चा के पक्षधर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस विषय पर सदन में चर्चा से बच रहा है।

संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए सांसदों ने संसद के बाहर छात्रों से जुड़े मुद्दों, विशेषकर नीट (NEET) और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा की मांग उठाई। उनके अनुसार, सरकार छात्रों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया पर दिए गए संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि छात्रों के हितों से बढ़कर कुछ नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भाजपा सांसद ने बताया कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके और जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार दंड मिल सके।

सुधांशु त्रिवेदी का यह बयान संसद के मानसून सत्र के दौरान शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जारी राजनीतिक बहस के बीच सामने आया है।

पेपर लीक के सभी मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई', नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए देशभर में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि दोषियों को जल्द और कड़ी सजा मिल सके। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि हमारे युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का उद्देश्य पेपर लीक मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है।पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस फैसले को जल्द से जल्द लागू करने के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दोहराया कि पेपर लीक के हर मामले में दोषियों को जल्द कठोर सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था की जाएगी।सरकार का मानना है कि इस पहल से पेपर लीक मामलों में न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी, दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता तथा युवाओं का भरोसा और मजबूत होगा।

वायरल वीडियो के बाद मुंबई पुलिस का एक्शन, प्रदर्शनकारी को कथित धमकी देने वाला पुलिस चालक निलंबित

मुंबई,(आरएनएस)। परीक्षा संबंधी कथित पेपर लीक के विरोध में जारी प्रदर्शनों के बीच मुंबई पुलिस के एक चालक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।वायरल वीडियो में एक पुलिस वाहन के भीतर मौजूद पुलिसकर्मी कथित तौर पर प्रदर्शन में शामिल कुछ युवाओं को दोबारा आंदोलन में शामिल होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देता सुनाई देता है। वीडियो में वह कथित रूप से उन्हें झूठे मादक पदार्थ (ड्रग्स) से जुड़े मामले में फंसाने जैसी बात कहता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली।बताया जा रहा है कि यह वीडियो मुंबई कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से साझा किया गया, जिसके बाद मामला चर्चा में आया। हाल के दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में मुंबई के शिवाजी पार्क, चेंबूर और आजाद मैदान सहित कई स्थानों पर छात्र और अन्य लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।मुंबई पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित पुलिसकर्मी की पहचान कांस्टेबल पवन सांगले के रूप में की है, जो मोटर वाहन शाखा से संबद्ध है और वर्तमान में सायन पुलिस थाने में पदस्थ था। जांच पूरी होने तक उसे निलंबित कर दिया गया है।मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो की सत्यता और उससे जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले और अन्य नेता नई दिल्ली में संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के फ्लोर लीडर्स की बैठक में शामिल हुए।

सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक ट्विन टावर खरीदारों की रिफंड याचिका पर सुनवाई तीन महीने के लिए टाली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा स्थित सुपरटेक के ध्वस्त हो चुके ट्विन टावर परियोजना के घर खरीदारों को धनवापसी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई तीन महीने के लिए स्थगित कर दी है। अदालत ने कहा कि इस अवधि के दौरान खरीदारों के दावों के समाधान के लिए उपलब्ध अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा।मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे, ने मामले की सुनवाई के दौरान बताया कि जिन खरीदारों ने वैकल्पिक आवंटन स्वीकार नहीं किया है, उनके दावों के निस्तारण के प्रयास जारी हैं।सुनवाई के दौरान कुछ घर खरीदारों की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि उन्हें अब तक पूरी धनवापसी नहीं मिली है और अंतिम भुगतान वर्ष

2024 में किया गया था। इस पर अदालत को बताया गया कि समाधान की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है, जिसके बाद पीठ ने सुनवाई तीन महीने के लिए टाल दी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि ध्वस्त किए गए ट्विन टावर के प्रभावित खरीदारों को अंतरिम समाधान पेशेवर (IRP) के पास उपलब्ध राशि से आनुपातिक आधार पर धनवापसी की जाएगी।

बेंगलुरु के पीजी में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट, पश्चिम बंगाल के 9 प्रवासी श्रमिक झुलसे

बेंगलुरु,(आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गुरुवार सुबह एक पीजी आवास में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने से पश्चिम बंगाल के नौ प्रवासी श्रमिक घायल हो गए। घायलों में छह की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घटना हेब्बागोडी थाना क्षेत्र के बोम्मासंद्रा स्थित एक पीजी में हुई। घायल सभी श्रमिक बेंगलुरु की एक इंजीनियरिंग कंपनी में कार्यरत हैं और घटना के समय कमरे में मौजूद थे। बताया गया कि वे सुबह नींद से उठे ही थे, तभी अचानक विस्फोट हो गया।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घायलों में छह श्रमिक 60 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। सभी घायलों को तत्काल चंदापुरा स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

खुशियां मातम में बदलीं! शादी से लौट रहे 7 दोस्तों की कार तालाब में गिरी, 5 युवकों की मौत-2 घायल

अनुगुल (आरएनएस)। ओडिशा के ढेंकानाल जिले में बुधवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। शादी समारोह से लौट रही एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे तालाब में जा गिरी। कार में सवार सात दोस्तों में से दो ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, जबकि पांच अन्य डूब गए।यह हादसा ढेंकानाल सदर थाना क्षेत्र के छतिया गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, मोटांगा थाना क्षेत्र के बंगुरासिंह गांव के सात दोस्त इंदिपुर गांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर देर रात कार से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और कार सीधे तालाब में जा गिरी।कार के पानी में डूबते ही उसमें सवार युवकों में चीख-पुकार मच गई। बबलू और शिबू नामक दो युवकों ने हिम्मत दिखाते हुए कार का दरवाजा तोड़ा और तैरकर बाहर निकल आए। उन्होंने ग्रामीणों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकालकर उसमें फंसे पांच युवकों को निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।मृतकों की पहचान चालक चंद्रकांत स्वाईं, अबिनाश साहू, राकेश साहू, श्रीराम साहू और अभिजीत साहू के रूप में हुई है। सभी की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच बताई गई है।पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार या चालक को झपकी आने की आशंका जताई जा रही है।साथ पांच युवकों की मौत से बंगुरासिंह गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिला अस्पताल में भी परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

दुबई से भेजा 14.42 लाख का सामान लेकर महिला लापता, मुंबई पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

मुंबई, (आरएनएस)। दुबई में कारोबार करने वाले एक भारतीय कारोबारी द्वारा अपनी पत्नी के लिए भेजा गया करीब 14.42 लाख रुपये का कीमती सामान मुंबई पहुंचने से पहले ही कथित धोखाधड़ी का शिकार हो गया। आरोप है कि सामान लेकर दुबई से मुंबई पहुंची एक परिचित महिला एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद लापता हो गई। शिकायत मिलने पर सहार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता कौसरी राजपूत मुंबई में रहती हैं, जबकि उनके पति उमर राजपूत पिछले कई वर्षों से दुबई में व्यवसाय कर रहे हैं। वहीं उनकी पहचान महजबीन मोहम्मद इमरान नामक महिला से हुई थी, जिससे दोनों परिवारों के बीच भरोसे का संबंध बन गया था।

महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल, एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा जंतर-मंतर ड्यूटी से हटाए गए

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली में सीजेपी के 'चलो संसद' प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने के आरोपों के बाद एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा को जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल की ड्यूटी से हटा दिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया है।20 जुलाई को कथित परीक्षा अनियमितताओं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी के हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जुटे थे। इसी दौरान वायरल वीडियो में एडिशनल डीसीपी संदीप लांबा एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दिए।

बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पुलिस की कथित बर्बरता के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान इस घटना का भी उल्लेख किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत को बताया कि वीडियो में अधिकारी बिना किसी उकसावे के महिला को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का उपयोग करने के बजाय सीधे आंसू गैस के गोले छोड़े, जबकि ऐसा अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना चाहिए था।मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने दिल्ली पुलिस, केंद्र सरकार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में एनएसए के तहत एहतियाती हिरासत की शक्ति 18 अक्तूबर तक बढ़ी, पुलिस ने बताया नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत एहतियाती हिरासत की शक्तियों को 18 अक्तूबर तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली पुलिस आयुक्त को एनएसए की धारा 3(2) के तहत यह अधिकार पूर्ववत जारी रहेगा। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस निर्णय का राजधानी में परीक्षा संबंधी कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों से कोई संबंध नहीं है। पुलिस के अनुसार, यह शक्तियां नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत समय-समय पर बढ़ाई जाती हैं और यह व्यवस्था कई वर्षों से लागू है।

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब परीक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर विभिन्न संगठनों के नेतृत्व में राजधानी में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। हाल ही में संसद की ओर मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प की घटनाएं भी सामने आई थीं। दिल्ली सरकार के गृह विभाग द्वारा 15 जुलाई को जारी अधिसूचना के मुताबिक, पुलिस आयुक्त को दी गई यह शक्ति 18 अक्तूबर तक प्रभावी रहेगी। अधिकारियों का कहना है कि एनएसए के तहत ऐसे अधिकारों का नवीनीकरण सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे हर तीन महीने में बढ़ाया जाता है।

किसानों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ सहकारिता आंदोलन बना अमूल की वैश्विक पहचान

आनंद (गुजरात),(आरएनएस)। किसानों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ एक छोटा-सा सहकारी आंदोलन आज दुनिया के सबसे बड़े डेयरी सहकारी मॉडलों में शामिल हो चुका है। वर्ष 1946 में महज 247 लीटर प्रतिदिन दूध संग्रह से शुरू हुई अमूल की यात्रा आज गुजरात में 36 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक किसानों को जोड़ते हुए प्रतिदिन 350 लाख लीटर से अधिक दूध संग्रह तक पहुंच चुकी है। अमूल की इस ऐतिहासिक यात्रा और सहकारी मॉडल की जानकारी आनंद डेयरी की मानव संसाधन प्रमुख डॉ. प्रीति शुक्ला ने गुजरात के अध्ययन दौरे पर आए छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को दी।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि 1930 और 1940 के दशक में खेड़ा क्षेत्र दूध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था, लेकिन दूध के विपणन और आपूर्ति पर निजी डेयरी का नियंत्रण था। किसानों को उनके दूध का उचित लाभ नहीं मिल रहा था और उन्हें लगने लगा था कि इस व्यवस्था में उनका शोषण हो रहा है। किसानों ने इस समस्या को लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल से संपर्क किया। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 1942 में किसानों की अपनी सहकारी संस्था स्थापित करने की दिशा में पहल शुरू हुई।

उन्होंने बताया कि अमूल के संस्थापक अध्यक्ष त्रिभुवनदास पटेल और मोरारजी देसाई ने किसानों को संगठित किया। डेयरी की स्थापना के समर्थन में किसानों ने करीब 15 दिनों तक दूध की हड़ताल की। इसके बाद अंतत: किसानों को अपनी सहकारी डेयरी स्थापित करने का मार्ग मिला। इसी आंदोलन के परिणामस्वरूप 14 दिसंबर 1946 को कैरा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लिमिटेड का पंजीकरण हुआ।

ईरान पर फिर हमला, हूतियों ने उड़ा दिए सऊदी के जहाज

वॉशिंगटन (ए.)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव कम होने के बजाय लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार 12वीं रात भी हमले किए हैं, जबकि इसी दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर में विस्फोट और आग लगने के दावों ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हालांकि टैंकर से जुड़े घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, राष्ट्रपति के निर्देश पर 23 जुलाई की शाम अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना का कहना है कि इन अभियानों का उद्देश्य ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना है, जिनसे क्षेत्रीय समुद्री मार्गों से गुजरने वाले नागरिक और वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अमेरिकी पक्ष का दावा है कि यह

कार्रवाई समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है।

इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि ओमान के तट के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी मार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे एक तेल टैंकर में विस्फोट हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई। आईआरजीसी का यह भी दावा है कि घटना के बाद उसी मार्ग से गुजर रहे दो अन्य जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया। हालांकि इस दावे की किसी स्वतंत्र एजेंसी या अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन ने पुष्टि नहीं की है। आईआरजीसी ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित जहाज अमेरिका के निर्देश पर उस समुद्री मार्ग का उपयोग कर रहे थे, जहां कथित रूप से बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। संगठन ने चेतावनी दी कि जब तक अमेरिका क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित रह सकती है। साथ ही यह भी कहा गया कि ईरान के साथ समन्वय किए बिना इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उधर, यमन के निकट एक सऊदी तेल टैंकर पर हूती विद्रोहियों की मिसाइल लगने और उसमें आग लगने की खबरें भी सामने आई हैं।

आसियान में रुबियो-लावरोव की अहम मुलाकात आज, यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर फिर होगी बातचीत?

मनीला (ए.)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो गुरुवार को फिलीपींस में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात करने वाले हैं, जहां उनसे यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से मध्यस्थता करने की संभावना को फिर से उठाने की उम्मीद है।

कहां होगी बैठक?

रुबियो और लावरोव के बीच यह बैठक दक्षिण-पूर्व एशियाई विदेश मंत्रियों की एक बैठक के दौरान होने वाली है, जो मनीला में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के आयोजन में क्षेत्र के शीर्ष राजनयिकों की सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक है।

'छोटे भाई से मांगूंगा कुर्सी', नवाज शरीफ की भारत के अभिन्न अंग पीओके पर है नजर

- पाकिस्तान को आर्थिक बदहाली में ढकने वाले बनना चाहते हैं पीओके का पीएम

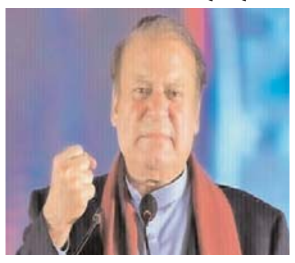

इस्लामाबाद,(ए.)। पाकिस्तान में पीओके अभी जल ही रहा है कि लाहौर से लेकर मुजफ्फराबाद तक नया विवाद पैदा हो गया है। तीन बार पाकिस्तान के पीएम रह चुके और सत्ताधारी पार्टी पीएमएल-एन के सुप्रीमो नवाज शरीफ ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरने के बाद अब नवाज शरीफ की गंदी नजर भारत के अभिन्न हिस्से यानी पीओके पर जा टिकी है। नवाज शरीफ अब पीओके के पीएम बनना चाहते हैं।

रात के अंधेरे में और बर्फ के अंदर भी देख लेता है निसार सैटेलाइट, तस्वीरें जारी

- यह सैटेलाइट हर 12 दिन में पूरी धरती और बर्फ का चक्कर लगाकर जुटाता है डेटा

वाशिंगटन,(ए.)। नासा-इसरो ने धरती की चौंकाने वाली तस्वीरें जारी की है। इसे भारत और अमेरिका की स्पेस एजेंसियों के संयुक्त सेटेलाइट निसार से लिया है। ये सेटेलाइट रात के अंधेरे और बर्फ के अंदर भी देख लेता है। अपनी दोनों रडार सिस्टम से जुटाया गया डेटा अब लोगों और वैज्ञानिकों के लिए जारी कर दिया है। यह सैटेलाइट हर 12 दिन में पूरी धरती की जमीन और बर्फ का चक्कर लगाकर डेटा जुटाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक नासा ने जो पहली तस्वीर जारी की है, वह पूर्वी अंटार्कटिका के एक बर्फीले इलाके की है। इस इलाके में एक पहाड़ के चारों ओर बहती बर्फ का आकार ऐसा दिखाई देता है, मानो कोई हमिंगबर्ड अपने पंख फैलाकर उड़ रही हो। दरअसल, जब ग्लेशियर पहाड़ के आसपास से गुजरता है, तो दबाव के कारण बर्फ में गहरी दरारें पड़ जाती हैं। रडार इमेज में यही दरारें हरे रंग में दिखाई देती हैं, जबकि चिकनी बर्फ मैजेंटा रंग की नजर आती है। निसार में लगा सिंथेटिक अपर्चर रडार आम कैमरे से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। यह बादलों के आर-पार और रात के अंधेरे में भी साफ तस्वीरें ले सकता है। यह बर्फ और जमीन की सतह के नीचे हो रहे बदलावों का भी पता लगा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक निसार लगभग पूरी पृथ्वी की जमीन और बर्फ से ढके इलाकों को हर 12 दिन में दो बार स्कैन करता है। यह रोजाना कई दर्जन टेराबाइट वैज्ञानिक डेटा तैयार करता है। इसमें लगा 12 मीटर चौड़ा रडार एंटीना अब तक नासा द्वारा अंतरिक्ष में भेजा गया सबसे बड़ा रडार रिफ्लेक्टर माना जाता है। निसार भारत के इसरो और अमेरिका की नासा का संयुक्त सैटेलाइट मिशन है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था। अब इस सैटेलाइट से जुटाया गया डेटा वैज्ञानिकों और आम लोगों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

पाकिस्तान ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर की करेंसी सपोर्ट फैसिलिटी की मांग

इस्लामाबाद, (ए.)। ईरान-अमेरिका युद्ध में भी पाकिस्तान ने अपने फायदे के लिए बीच-बचाव किया। अब इसकी कीमत वह वसूलना चाहता है। अब इसके पीछे की असल वजह सामने आ गई है। पाकिस्तान सच में दलाली ही कर रहा था। पाकिस्तान ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर की करेंसी सपोर्ट फैसिलिटी की मांग की है। सूत्र ने बताया कि इससे उसके विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स रिजर्व को मजबूत करने और आर्थिक तंगी से जूझ रही अर्थव्यवस्था को राहत देने में मदद मिल सकती है।

पाक की ओर से यह मांग ऐसे समय में की गई है जब ईरान युद्ध से जुड़े बातचीत के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका से उसकी कूटनीतिक स्थिति मजबूत हुई है।

थाईलैंड में हिंसाः दक्षिणी प्रांत में सुरक्षा चौकी पर हमला, गोलीबारी-पाइप बम विस्फोट में पांच सैनिकों की मौत

नाराथिवाट (ए.)। थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत नाराथिवाट में सुरक्षा चौकी पर हुए एक बड़े आतंकी हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई। हमलावरों ने पहले सुरक्षा चौकी पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की और फिर पाइप बम फेंककर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। थाईलैंड की रॉयल आर्मी की इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशंस कमांड (ISOC) के अनुसार, यह हमला 22 जुलाई की शाम नाराथिवाट प्रांत के रा-ग्नो जिले के बुकेह सामी चेकपॉइंट पर हुआ। उस समय 45वीं रेंजर फोर्स रेजिमेंट के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान हथियारबंद हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया।

हमले में पांच जवानों की जान गई

सार्जेंट मेजर फर्स्ट क्लास तीरायुत सोमाकर्ड
रेंजर वॉलंटियर विमोल डाबथोंग
रेंजर वॉलंटियर नट्टासित काओसेना
रेंजर वॉलंटियर सोलाहुडिंग पी
रेंजर वॉलंटियर जकारिया जे-ना

आईएसओसी ने सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिणी सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

हमलावरों की तलाश जारी

हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान अधिकारियों को सी साखोन जिले में एक वाहन मिला, जिसे हमले में इस्तेमाल किए जाने का संदेह है। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए उस वाहन को आग के हवाले कर दिया था। फोरेंसिक टीम ने हमले वाली जगह और बरामद वाहन दोनों स्थानों से साक्ष्य जुटाए हैं। इनकी मदद से हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

सुरक्षा बढ़ाई गई

आईएसओसी ने कहा कि सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर आरोपियों की तलाश कर रही हैं। साथ ही इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है ताकि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के सामने पेश किया जाएगा।

फीचर

लगान से बॉलीवुड में छाने वाली ग्रेसी सिंह अब फिल्मी चकाचौंध से दूर जी रही हैं आध्यात्मिक जीवन

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री ग्रेसी सिंह का नाम उन गिनी-चुनी अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने बेहद कम समय में फैंस के दिलों में एक खास जगह बनाई। अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर वह पूरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहीं। साल 2001 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लगान' ने उन्हें रातोंरात एक बड़ा स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, एक शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद, ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर होती चली गईं।

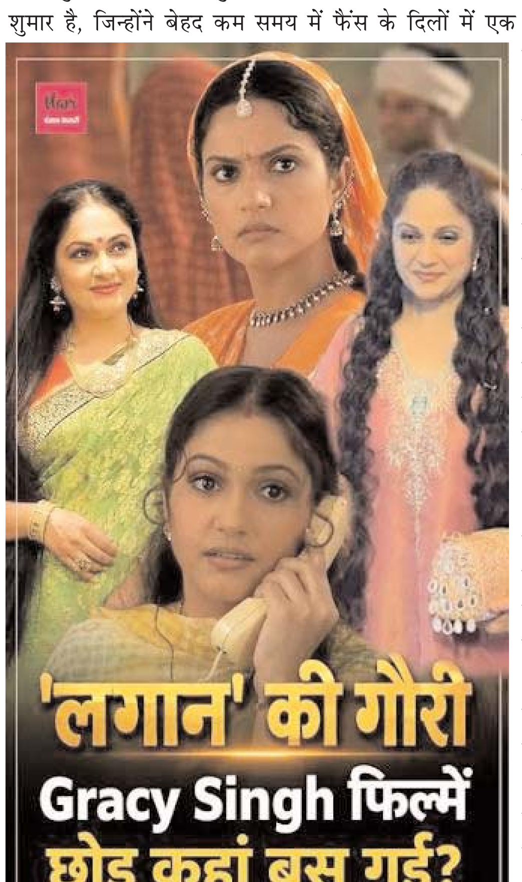

ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह 'द प्लैनेट्स' डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और इंटरनेशनल टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल 'अमानत' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा और छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाई। टीवी पर मिली पहचान के बाद उन्हें दिग्गज निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की ऐतिहासिक फिल्म 'लगानः वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया' में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने एक समान रूप से खूब सराहा और यह उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। लगान न केवल बॉक्स ऑफिस पर एक जबरदस्त सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली मदर इंडिया और सलाम बॉम्बे के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी, जिसने ग्रेसी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस अभूतपूर्व सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक बन गईं और उनके पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आने लगे।

इसके बाद उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस, गंगाजल और अरमान जैसी महत्वपूर्ण फिल्मों में काम किया। मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल को बड़ी सफलता मिली और इन फिल्मों में उनके अभिनय को भी सराहा गया, लेकिन अरमान बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे चंचल, देशद्रोही और देख भाई देख, लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके फिल्मी करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान और सफलता नहीं मिल सकी। हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी हाथ आजमाया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली और अंततः उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाने का फैसला कर लिया। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में यह स्पष्ट किया है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें एक सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी। साल 2015 में उन्होंने टीवी शो 'संतोषी मां' से छोटे पर्दे पर शानदार वापसी की।

छात्र आंदोलन के समर्थन में आए सितारे; जंतर मंतर पहुंचीं हुमा कुरैशी, मुंबई में इमरान खान ने किया मार्च

दिल्ली के जंतर मंतर पर छात्र नीट परीक्षा लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बीते दिनों इसी मुद्दे पर जंतर मंतर से संसद तक मार्च किया गया था। अब इस स्टूडेंट प्रोटेस्ट को सेलेब्स भी सपोर्ट कर रहे हैं।

हाल ही में हुमा कुरैशी अपने कथित बॉयफ्रेंड रचित सिंह के साथ जंतर मंतर पर पहुंचीं। इस दौरान उनके भाई साकिब सलीम भी वहां मौजूद थे। वहीं, मुंबई में हुए एक मार्च में आमिर खान के भतीजे और अभिनेता इमरान खान ने हिस्सा लिया।

आधी रात जंतर मंतर पहुंचे हुमा-साकिब और रचित अभिनेत्री हुमा कुरैशी बीती रात दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ बॉयफ्रेंड रचित सिंह और भाई व एक्टर-प्रोड्यूसर साकिब सलीम भी साथ मौजूद रहे। तीनों छात्रों के प्रदर्शन को समर्थन देने पहुंचे।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

प्रदर्शन स्थल से दोनों भाई-बहन के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में हुमा को छात्रों के समर्थन में वहां मौजूद देखा गया है। रात करीब एक बजे हुमा और साकिब वहां पहुंचे और प्रदर्शन में शामिल हुए।

इमरान खान ने भी जताया समर्थन

मुंबई में भी नीट परीक्षा लीक के खिलाफ छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते दिन बुधवार को इमरान खान छात्रों के विरोध मार्च में शामिल हुए। उन्होंने मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर CJP के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को अपना समर्थन दिया। मार्च के वीडियो में एक्टर को बारिश में सैकड़ों छात्रों के साथ चलते, प्रदर्शनकारियों का अभिवादन करते, सेल्फी के लिए पोज देते देखा गया है।

दो घंटे तक हिरासत में रहीं 'धुरंधर' फेम आयशा खान, अब भाई को बचाने निकलीं; समर्थन में आईं उर्फी जावेद

बॉलीवुड फिल्म 'धुरंधर' फेम अभिनेत्री आयशा खान आज बुधवार की मुंबई के दादर में पहुंचीं थीं। यहां उन्हें मुंबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उनके मुताबिक पुलिस ने उन्हें लगभग दो घंटे हिरासत में रखा, उसके बाद छोड़ दिया है। आयशा खान ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि वह पुलिस हिरासत से छूटने के बाद अपने भाई को बचाने जा रही हैं।

रिहा हुईं आयशा

इंस्टाग्राम स्टोरी पर अभिनेत्री आयशा खान ने लिखा 'मैं छूट गई हूं। अपने भाई को रफी अहमद किदवई पुलिस स्टेशन से छुड़ाने जा रही हूं। हमें शहर के अलग-अलग हिस्सों में रखा गया था। यह सब तब हुआ जब मैंने कुछ नहीं किया था।'

आयशा के साथ हुई खींचतान

इससे पहले इंस्टाग्राम पर आयशा खान ने एक वीडियो शेयर किया था। इसमें देखा जा सकता था कि पुलिस उन्हें जबरदस्ती वैन में बिठा रही थी। आयशा के मुताबिक पुलिस उन्हें वर्ली पुलिस स्टेशन लेकर गई थी।

पुलिस ने हिरासत में लिया

आयशा खान ने सोशल मीडिया पर एक और वीडियो शेयर किया है, इसमें उन्होंने कई सवाल पूछे हैं। उन्होंने लिखा 'शांति से खड़े रहने की वजह से मुझे घसीटा गया और हिरासत में ले लिया गया। मैंने वहां मौजूद सभी पुलिस वालों से पूछा कि मैं हिरासत में क्यों लिया जा रहा है? लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सड़क पर खड़े रहना कब से अपराध हो गया? आज मुझे जिंदगी की सबसे सुकून भरी नींद आएगी। मैंने सही बात के लिए आवाज उठाई। अभी भी पुलिस स्टेशन में वही सवाल पूछ रही हूं। मुझे हिरासत में क्यों लिया गया है? मैंने कौन सा कानून तोड़ा है? लोकतांत्रिक अधिकारों और उनकी सुरक्षा की बात तो छोड़ ही दीजिए, आप तो अपने ही नागरिकों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, किसलिए? मुझे उनमें से कुछ की आंखों में शर्म दिखती है मगर वे अपनी ड्यूटी से बंधे हैं। वे जानते हैं, हम जानते हैं कि क्या सही है और क्या गलत।

मेरा रुख साफ है। हर जगह जवाबदेही की कमी है। मुझे अभी भी उम्मीद है कि हम एक बेहतर भविष्य देखेंगे।

उर्फी जावेद ने आयशा का किया सपोर्ट

इस बीच उर्फी जावेद ने आयशा खान का सपोर्ट किया है। उनका कहना है कि उसने कोई क्राइम नहीं किया। हर कोई सड़क पर खड़ा था। कोई कुछ नहीं कर रहा था।

अर्जुन कपूर और साहिबा बाली लॉर्ड्स में साथ दिखे, फैंस के मन में उठे रिश्ते को लेकर सवाल

मुंबई (ए.)। अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री व कंटेंट क्रिएटर साहिबा बाली के रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर से चर्चाएं गर्म हो गई हैं। हाल ही में दोनों को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर एक साथ देखा गया, जिससे सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। दोनों रविवार को भारत बनाम इंग्लैंड के तीसरे वनडे मैच में शामिल हुए और स्टैंड्स से उनकी तस्वीरें तेजी से ऑनलाइन वायरल होने लगीं। हालांकि, इस वनडे मैच में बेटे तैमूर के साथ सैफ अली खान भी देखने पहुंचे थे और अभिनेत्री कृति सैनन भी मैच देखते हुए नजर आईं, लेकिन अर्जुन और साहिबा ने विशेष रूप से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। अर्जुन कपूर और साहिबा बाली मैच देखते हुए काफी रिलैक्स्ड और सहज नजर आए। उनके इस तरह सार्वजनिक रूप से साथ दिखने से सोशल मीडिया पर तुरंत हलचल मच गई। कई यूज़र्स ने सवाल उठाया कि क्या उनकी दोस्ती से बढ़कर भी कोई रिश्ता है? हालांकि, अर्जुन या साहिबा में से किसी ने भी इन रिलेशनशिप की अटकलों पर कोई सीधा रिएक्शन नहीं दिया है। वायरल हुए वीडियो और तस्वीरों में दोनों को एक साथ बैठकर मैच का मज़ा लेते हुए देखा गया। अर्जुन कपूर और साहिबा बाली ने मैचिंग कलर के आउटफिट पहने हुए दिखाई दिए, जिसने लोगों के संदेह को और बढ़ा दिया।

हालांकि, तस्वीरों में ऐसा कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं है जो किसी रोमांटिक रिश्ते की सीधे तौर पर पुष्टि करता हो। जैसे-जैसे तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, कुछ यूज़र्स ने हैरानी जताई और सवाल किए, तो कुछ ने तो पहले ही दोनों को बधाई देना शुरू कर दिया था। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, "क्या वे रिलेशनशिप में हैं? क्या वह किसी और के साथ नहीं थीं?" यह सवाल साहिबा के पिछले कथित रिश्तों की ओर इशारा कर रहा था। हालांकि, एक अन्य यूजर ने इन अटकलों को खारिज करते हुए दावा किया कि साहिबा कंटेंट क्रिएटर कुशा के साथ मैच देखने गई थीं और अर्जुन कपूर बस उसी सोशल सर्कल का हिस्सा थे। दरअसल, साहिबा ने हाल ही में जब अर्जुन को उनके जन्मदिन की बधाई दी थी और उन्हें अपना बेस्टी बताया था, तबसे ही दोनों के रिलेशनशिप की चर्चाएं सोशल मीडिया पर चल रही थीं।

साहिबा बाली ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अर्जुन को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा था, "सबके बेस्टी को जन्मदिन की बधाई। और वज़न कम करना बंद करो, थोड़ा केक खाओ।" अर्जुन ने इसका जवाब देते हुए लिखा, "तुम्हारे साथ का इंतज़ार है।" इस जवाब ने तुरंत उन फैंस का ध्यान खींचा जो उनकी बातचीत पर लगातार नज़र रखे हुए थे। बता दें, साहिबा एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर भी हैं। साहिबा पहले ही कई बार कह चुकी हैं कि वह सिंगल हैं। उन्होंने यह भी साफ किया है कि कुशा के साथ उनकी अक्सर चर्चा में रहने वाली केमिस्ट्री पूरी तरह से दोस्ती और प्रोफेशनल है, जिसमें कोई रोमांटिक एंगल नहीं है।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत का लक्ष्य है विश्वकप जीतना

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले माह होने वाले विश्वकप में जीत दर्ज करना है। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम इस बार 51 साल से चले आ रहे विश्व कप के खिताबी सूखे को समाप्त करने के इरादे से उतरेगी। हरमनप्रीत दूसरी बार विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे है और उन्हें भरोसा है कि टीम इस बार जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय टीम पिछले 50 साल से ये खिताब नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में विश्कप जीता था। इससे पहले टीम ने 1971 में कांस्य, 1973 में रजत जीता था। मौजूदा टीम का आत्मविश्वास पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। हरमनप्रीत ने बताया कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दूसरा कांस्य जीतने से टीम उत्साहित है। अब उनका लक्ष्य सिर्फ ओलंपिक पदक नहीं, बल्कि विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचना है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले कुछ समय

में टीम ने विश्व की शीर्ष टीमों को हराकर अपने को साबित किया है। उन्होंने कह कि यह समय आ गया है कि हम प्रशंसकों के लंबे इंतजार को समाप्त करें। हम प्रशंसकों से अपील करते हैं कि वे हमारा समर्थन करते रहें, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे और जीत हासिल करेंगे।भारतीय टीम को विश्वकप के लिए पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका सामना इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी, जिसका लक्ष्य जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करना होगा। कप्तान ने टीम की तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में टीम के प्रदर्शन ने काफी आत्मविश्वास दिया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि सत्र में 33 खिलाड़ियों को मौका देकर टीम की गहराई और बेंच स्ट्रेंथ पर बखूबी काम किया है। उन्होंने जोर दिया कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना, गलतियों से बचना और हर मैच में सुधार करना बेहद महत्वपूर्ण होगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला पाकिस्तान से भी है। उसके लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि हमने पिछले एक दशक से पाक को हर बार हराया है, इसलिए ये हमारे लिए किसी अन्य मैच की तरह ही होगा। हमारा लक्ष्य पाक ही नहीं सभी टीम पर जीत दर्ज करना है।

बचपन के कोच को कुलदीप की टीम में वापसी का भरोसा

मुम्बई (ए.)। स्पिनर कुलदीप यादव के बचपन के कोच कपिल पांडे ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे में अवसर नहीं मिलने से कुलदीप निराश नहीं है और उसका मनोबल जरा भी कम नहीं हुआ है। कोच के अनुसार टीम चयन का अधिकार कप्तान और कोच का रहता है और ऐसे में कोई भी खिलाड़ी कुछ नहीं कर सकता। केवल अपनी ओर से प्रयास भर कर सकता है। कोच के अनुसार कुलदीप बेहद जुझारू हैं और वह टीम में जरुर वापसी करेगा। ये भी कहा देखा गया है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने 104 मैच खेले हैं पर कुलदीप इनमें से केवल 38 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ही खेल पाए हैं। इसके बाद से ही गंभीर की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं पर कुलदीप के कोच का कहना है कि टीम चुनना कप्तान और कोच का काम है। पांडे ने स्पष्ट किया, कुलदीप के निराश होने का कोई सवाल ही नहीं है।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया, सुआरेज बने जीत के नायक

मियामी (ए.) । इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की। 26वें मिनट में शिकागो के डिफेंडर जैक इलियट ने बॉक्स के अंदर रुइज को फाउल कर दिया, जिसके बाद इंटर मियामी को पेनल्टी मिली। इस मौके को सुआरेज ने बेहतरीन तरीके से भुनाया और गोल दागते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह इस रेगुलर सीजन में उनका सातवां गोल रहा।दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और 51वें मिनट में सुआरेज ने अपना दूसरा गोल किया। इस गोल में जर्मन बर्टेराम की भी अहम भूमिका रही। बर्टेराम ने शानदार बैकहील असिस्ट देकर सुआरेज के लिए बेहतरीन मौका बनाया, जिसके बाद सुआरेज ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया।

वैभव सूर्यवंशी टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने

हरारे(ए.)। वैभव सूर्यवंशी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने गुरुवार को 15 साल और 118 दिन की उम्र में जिम्बाब्वे के विरुद्ध हरारे स्पोर्ट्स क्लब में यह कारनामा किया। वैभव ने 19 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। इसी के साथ वैभव ने जिब्राल्टर के बल्लेबाज लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2021 में माल्टा के विरुद्ध 16 साल और 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। इस लिस्ट में कविन चड्ढा तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में इंडोनेशिया की तरफ से खेलते हुए 16 साल और 76 दिन की उम्र में स्वीडन के विरुद्ध यह कारनामा किया था।सिएरा लियोन के अलुसीन तुरे इस लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं, जिन्होंने 16 साल और 89 दिन की उम्र में घाना के खिलाफ साल 2023 में अर्धशतक जड़ा था। वहीं, भूटान के तेनजिन रबगी (16 वर्ष 118 दिन) इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में चीन के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया था। पूर्ण-सदस्यीय टीम की तरफ से अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाजों की लिस्ट में अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2019 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध ऐसा किया था। उस समय रहमानुल्लाह 17 साल और 296 दिन की उम्र के थे।वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था, जिसके साथ वह सचिन तेंदुलकर को पछाड़कर इस मामले में सबसे युवा भारतीय बने थे। 'मास्टर-ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। भारतीय महिलाओं में शेफाली वर्मा (15 साल और 239 दिन) शीर्ष पर हैं। वैभव ने इंग्लैंड दौरे पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जिसमें 14 रन बना सके। इसके बाद उन्होंने सीरीज के दो अन्य मुकाबलों में 13 और 15 रन जुटाए, लेकिन जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव ने आखिरकार फैंस को अपनी शानदार पारी के साथ झूमने पर मजबूर कर दिया।

वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप : अनाहत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, डॉयस ये सैन को दी मात

ओंटारियो(ए.)। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की डॉयस ये सैन ली को सीधे गेम में हराया। पिछले साल इस प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली अनाहत ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-4, 11-8 और 11-3 से मात दी। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मिस्र की 5/8 सीड खिलाड़ी हबीबा रिजक से होगा। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में भी कई रोमांचक मैच देखने को मिले। मिस्र की हबीबा रिजक ने अमेरिका की शार्लेट जे को चार गेम के मुकाबले में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से हराया। मिस्र की मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: भारत का पहला पदक पक्का, लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लासगो (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया।टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी। यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था। इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं।

गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।

छत्तीसगढ़ समाचार

रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अपराध के मामले दर्ज, ऑनलाइन ठगी से लेकर चोरी और मारपीट तक की घटनाएं

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में 22 जुलाई को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, ऑनलाइन ठगी, मारपीट, धमकी और सड़क हादसे से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुजगहन थाना: ग्राम डुण्डा निवासी एक व्यक्ति से इंस्टाग्राम के जरिए क्रेडिट कार्ड से खाते में रकम ट्रांसफर करने का झांसा देकर 70,500 रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने 24 घंटे में रकम वापस ट्रांसफर करने का भरोसा देकर पैसे प्राप्त किए। शिकायत पर बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

पुरानी बस्ती थाना: भाठागांव स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के पास से अज्ञात चोर ने होंडा एक्टिवा मोपेड चोरी कर ली। वाहन की कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 305 के तहत मामला दर्ज किया है।इसी थाना क्षेत्र में भाठागांव स्थित देशी शराब दुकान के पास सामान खाली कराने की बात को

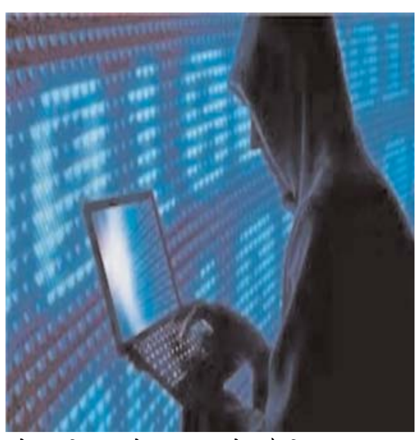

लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि 2-3 अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर चोट पहुंचाई। मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

तेलीबांधा थाना: रवि ग्राम की गली नंबर-4 में खड़ी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। चोरी गई बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है।

खमतराई थाना: मेटल पार्क रोड रावाभाठा में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, अज्ञात वाहन चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पैदल जा रहे 35 वर्षीय हेमंतो भाई को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में जांच के बाद अपराध दर्ज किया गया है।

टिकरापारा थाना: गोकुल नगर शराब दुकान के पास शराब पीने के लिए पैसे मांगने और पैसे नहीं देने पर विवाद हुआ। आरोप है कि मोहम्मद शाहिद और मन्नू यादव ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के तथा बॉल बैट से मारपीट कर युवक को घायल कर दिया।

उरला थाना: बीरगांव के मोती सागर तालाब के पास कर्मचारियों के वेतन बांटने के दौरान पैसे मांगने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि कुणाल ठापा और दीपक मानिकपुरी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के तथा धारदार वस्तु से मारपीट कर चोट पहुंचाई।

जशपुर में गजरथ यात्रा-2026 का शुभारंभ, हाथी प्रभावित गांवों और स्कूलों में जनजागरुकता अभियान तेज

जशपुरनगर,(आरएनएस)। मानव-हाथी द्वंद की घटनाओं को कम करने और ग्रामीणों व विद्यार्थियों में हाथियों के प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से जशपुर वनमंडल ने गजरथ यात्रा-2026 की शुरुआत की है। अभियान के तहत वन विभाग की टीमें हाथी प्रभावित संवेदनशील येलो जोन क्षेत्रों में पहुंचकर स्कूलों और गांवों में लोगों को हाथियों के व्यवहार, प्राकृतिक आवास और सुरक्षित सह-अस्तित्व की जानकारी दे रही हैं। वन विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में गजरथ यात्रा के दौरान तपकरा वन परिक्षेत्र के 15 विद्यालयों के 1,542 विद्यार्थियों को हाथियों की जैविक एवं व्यवहारिक विशेषताओं, प्राकृतिक आवास, पारंपरिक भ्रमण मार्ग, भोजन-पानी के स्रोत और झुंड की संरचना सहित मानव-हाथी सह-अस्तित्व के बारे में जानकारी दी गई थी। विद्यार्थियों को हाथियों के विचरण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और आपात स्थिति में सुरक्षित व्यवहार के साथ वन विभाग के अलर्ट का पालन करने के लिए भी जागरूक किया गया था। अभियान के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इस वर्ष फिर से गजरथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा के दौरान विद्यालयों, ग्राम सभाओं, वन सुरक्षा समितियों, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वन विभाग की टीम आधुनिक ऑडियो-वीडियो माध्यमों, पोस्टर, फ्लेक्स, मॉडल और संवादात्मक प्रस्तुतियों के जरिए लोगों को समझा रही है कि हाथियों के झुंड के करीब जाना, उन्हें उकसाना या उनके रास्ते में बाधा डालना जानलेवा साबित हो सकता है।

चार युवकों को एक बाइक पर घूमना पड़ा भारी

यातायात पुलिस ने काटा 4,500 का चालान

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में एक बाइक पर चार सवार होकर सड़क पर चल रहे युवकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। भांठागांव चौक में तैनात प्रधान आरक्षक संतोष चंद्राकर ने चार युवकों को एक दोपहिया वाहन पर सवार देखा, जिसके बाद मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस उपायुक्त यातायात डॉ. अर्चना झा के निर्देश पर संबंधित युवकों को यातायात कार्यालय बुलाया गया।पूछताछ और सत्यापन के बाद वाहन क्रमांक C G 04 LE 9849 के चालक नैतिक गवली (पिता- शंकर गवली, निवासी बैरन, रायपुर) के खिलाफ मोटरयान अधिनियम की धारा 4/181, 5/180, 184 और 128/194(C) के तहत कार्रवाई करते हुए 4,500 का चालान किया गया। कार्रवाई के दौरान चारों युवकों और उनके परिजनों को सार्वजनिक मार्ग पर स्टंटबाजी, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले गंभीर सड़क हादसों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा नहीं करने की सख्त समझाइश दी गई।यातायात पुलिस रायपुर ने आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि सड़क पर स्टंटबाजी, ओवरलोडिंग और यातायात नियमों का उल्लंघन न करें। ऐसे कृत्य न केवल स्वयं के जीवन को खतरे में डालते हैं, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए सभी नागरिकों से नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया।

'मेरा रेशम, मेरा अभिमान (एमआरएमए) 2.0' अभियान का शुभारंभ

कोरबा (आरएनएस)। केन्द्रीय रेशम बोर्ड के 'मेरा रेशम, मेरा अभिमान (एमआरएमए) 2.0' अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन सहायक संचालक रेशम कार्यालय, कोरबा में किया गया। बैठक में सहायक संचालक रेशम, जिला कोरबा बालभद्र सिंह भण्डारी, वैज्ञानिक-डी डॉ. विनोद सिंह, जिले के विभिन्न रेशम केंद्रों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा रेशमकीट पालकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन वैज्ञानिक-डी डॉ. विनोद सिंह ने दिया। उन्होंने केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा संचालित एमआरएमए 2.0 अभियान की रूपरेखा से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा रेशमकीट पालन की नवीन तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने के उद्देश्य से आगामी 100 दिनों के दौरान जिले में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अवधि में जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर, परिक्षेत्र भ्रमण तथा अन्य तकनीकी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, कोरबा जिले के लिए आगामी पाँच वर्षों की कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि जिले को रेशमकीट पालन के क्षेत्र में देश के अग्रणी जिलों में शामिल किया जा सके।इस अवसर पर सहायक संचालक रेशम बालभद्र सिंह भण्डारी ने सभी केंद्र प्रभारियों से एमआरएमए 2.0 अभियान में पूर्ण उत्साह एवं सक्रियता के साथ सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को अभियान से जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि तसर एवं शहतूत रेशमकीट पालन से संबंधित आधुनिक तकनीकी जानकारी किसानों तक पहुँचने से उनकी उत्पादन क्षमता और आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बदली अशोक कुमार गुप्ता के घर की तस्वीर

सोलर पैनल लगने के बाद बिजली बिल से मिली राहत, योजना आमजन के लिए बनी लाभदायक

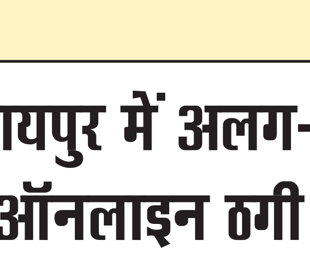

जशपुरनगर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना का लाभ जिले के आमजन तक पहुंच रहा है। यह योजना लोगों के बिजली खर्च को कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जिले के हितग्राही अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि पहले उनके घर का बिजली बिल काफी अधिक आता था, जिससे हर महीने अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ता था। पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना के तहत उन्होंने अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाया। इसके बाद उनके बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है और अब उन्हें बिजली बिल की चिंता नहीं रहती। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल सूर्य की किरणों से बिजली का उत्पादन करता है। घर में उपयोग के बाद बची हुई बिजली विद्युत विभाग के ग्रिड में चली जाती है और इसके बदले उन्हें बिजली का लाभ मिलता है। इस व्यवस्था से उनका मासिक बिजली बिल लगभग समाप्त हो गया है। अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि यह योजना आम लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है।

छत्तीसगढ़ में आषाढ़ में सावन की झड़ी, अगले 48 घंटे भारी बारिश की चेतावनी

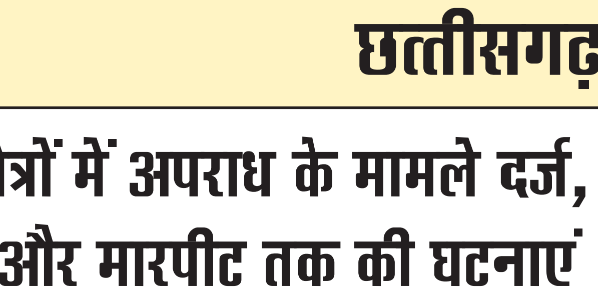

कवर्धा और रायगढ़ समेत कई जिलों में बढ़ा खतरा

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून के सक्रिय होते ही कई इलाकों में झमाझम बारिश का दौर जारी है। छत्तीसगढ़ में आषाढ़ में सावन की झड़ी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने 23 जुलाई को उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। प्रदेश में अब तक औसतन 381 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जिससे शुरुआती सूखे के बाद स्थिति में बड़ा सुधार आया है।

काला पानी दर्जनों घरों में जा घुसा

बारिश के मामले में सारंगढ़-बिलाईगढ़ (613 मिमी) और जांजगीर (575 मिमी) सबसे आगे हैं। अगले 48 घंटों तक प्रदेश भर में मानसून सक्रिय रहेगा और व्यापक वर्षा होने की संभावना है। वहीं रायगढ़ में घुसा काला पानी: वार्ड 37 (दर्री डीपा) में निर्माणाधीन कॉलोनी की बाउंड्रीवाल टूटने से उसमें भरा फ्लाईऐश डस्ट मिश्रित काला पानी दर्जनों घरों में घुस गया। इससे लोगों के सामान और दस्तावेज खराब हो गए। रहवासियों ने अवैध भराव का आरोप लगाते हुए कालोनाइजर पर कार्रवाई की मांग की है।कवर्धा जिले के कुकदुर के लोखान गांव में स्कूल से लौट रहा 8 वर्षीय बालक कमलेश तिलगाम उफनते कपाट नाले को पार करते समय बह गया। रातभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बुधवार सुबह घटना स्थल से 7 किमी दूर उसका शव बरामद हुआ।दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत इस वर्ष छत्तीसगढ़ में अपेक्षाकृत धीमी रही थी। जून के शुरुआती दिनों में सामान्य से कम बारिश होने के कारण खेती और जलाशयों को लेकर चिंता बढ़ गई थी। हालांकि जुलाई के दूसरे पखवाड़े से मानसून ने रफ्तार पकड़ी और प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार भारी बारिश का दौर शुरू हो गया।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 381 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जिससे शुरुआती बारिश की कमी काफी हद तक पूरी हो गई है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ (613 मिमी) और जांजगीर-चांपा (575 मिमी) सबसे अधिक वर्षा वाले जिलों में शामिल हैं।लगातार बारिश से कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। नदी-नाले उफान पर हैं, निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी है और कई स्थानों पर सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है।

सीहोर से भोपाल तक बिजली विभाग के खिलाफ किसानों का महाआंदोलन, मानवाधिकार आयोग और महिला आयोग की एंट्री से बढ़ा दबाव

-विद्युत सुरक्षा की जांच में दोषी पाए गए विद्युत मंडल के अधिकारी कर्मचारी इनके विरुद्ध कार्रवाई करने की अनुशंसा

- 11 केवी लाइन से हादसे, 3 किसानों की मौत और 2 के हाथ कटे, अब विधानसभा-लोकसभा तक गूंजाने की तैयारी में किसान

-सीहोर में बिजली विभाग के खिलाफ किसानों का बिगुल, आयोगों की एंट्री से मचा हड़कंप

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम बडवेली में खेतों के ऊपर झूल रही 11 केवी विद्युत लाइन से हुए हादसे ने अब बड़ा जनआंदोलन का रूप ले लिया है। करंट लगने से गंभीर रूप से घायल किसान सतीश मेवाड़ा का हाथ काटना पड़ा। इस घटना के बाद क्षेत्र के किसानों का गुस्सा लगातार बढ़ता गया और मामला अब सीहोर से निकलकर भोपाल तक पहुंच चुका है। किसान साफ कह रहे हैं कि जब तक पीड़ित को 25 लाख रुपये का मुआवजा, सरकारी नौकरी और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पांच किसानों को करंट, तीन की मौत, दो के हाथ गंवाने का दावा

किसानों का आरोप है कि बडवेली क्षेत्र में लंबे समय से बिजली विभाग की लापरवाही के कारण खेतों में 11 केवी लाइन के तार झूल रहे हैं। इसी लापरवाही के चलते अब तक पांच किसान करंट की चपेट में आ चुके हैं। किसानों के अनुसार इनमें तीन किसानों की मौत हो चुकी है, जबकि दो किसानों को अपने हाथ गंवाने पड़े हैं। किसानों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद विभाग ने समय रहते लाइन दुरुस्त नहीं की क्षेत्र के किसान एवं समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में लगातार आंदोलन किया जा रहा है। किसानों ने दो बार कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन और ज्ञापन दिया। पुलिस अधीक्षक को भी

शिकायत सौंपी गई। इसके अलावा बिजली विभाग के अधीक्षण यंत्री कार्यालय सीहोर के बाहर भी दो बार प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग उठाई गई। किसानों का आरोप है कि हर बार केवल आश्वासन मिला लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सीहोर से भोपाल तक गूंजा मामला, मुख्यमंत्री तक पहुंची शिकायत

जब जिला स्तर पर सुनवाई नहीं हुई तो किसानों का प्रतिनिधिमंडल भोपाल पहुंचा और मुख्यमंत्री निवास पर शिकायत दर्ज कराई। किसानों का दावा है कि मुख्यमंत्री निवास से भी अधीक्षण यंत्री मैडम को दूरभाष पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए, लेकिन इसके बावजूद बिजली विभाग के अधिकारियों ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। इससे किसानों में नाराजगी और बढ़ गई। किसानों का आंदोलन यहीं नहीं रुका। करीब 25 गांवों के सैकड़ों किसान भोपाल पहुंचे और ऊर्जा मंत्री के बंगले का घेराव कर प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि ऊर्जा मंत्री स्वयं प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक (एमडी) ऋषि गर्ग को दूरभाष पर कार्रवाई के निर्देश दिए। किसानों का आरोप है कि मंत्री के निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया और विभागीय अधिकारी पहले की तरह चुप्पी साधे रहे।किसानों ने सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर से भी मुलाकात कर पूरी घटना से अवगत कराया। किसानों के अनुसार प्रभारी मंत्री ने लिखित रूप से पीड़ित किसान को 25 लाख रुपये का मुआवजा, सरकारी नौकरी तथा दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बावजूद विभागीय स्तर पर कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं होने से किसानों में भारी आक्रोश है। बिजली विभाग की कार्यशैली से नाराज किसान बड़ी संख्या में भोपाल स्थित गोविंदपुरा में बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक कार्यालय पहुंचे और वहां घेराव कर ज्ञापन सौंपा। किसानों का कहना है कि अब आंदोलन केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कई गांवों के किसान इससे जुड़ चुके हैं। यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो आंदोलन और व्यापक होगा। किसानों का कहना है कि लगातार मीडिया में मामला उठने के बाद विद्युत निरीक्षक द्वारा जांच कराई गई। किसानों के अनुसार जांच रिपोर्ट में विद्युत वितरण केंद्र बिजोरी, खजूरी कला तथा संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है। रिपोर्ट में दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की अनुशंसा भी की गई है।

जागरुकता रैली निकालकर मनाई रेंगा कोरकू की जयंती

आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

सीहोर(निप्र)। आदिवासी क्रांतिकारी रेंगा कोरकू की जयंती बोरदीकलां में जय आदिवासी कोरकू समाज युवक मंडल समिति के द्वारा मनाई गई। जयंती के उपलक्ष में ग्राम के प्रमुख मार्गो से होकर अन्याय अत्याचार शोषण के खिलाफ बैनर तखत्तियों के साथ जय जोहार नारे लगाते हुए आदिवासी समाज के युवक युक्तियां के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। बस स्टैंड स्थित कोरकू समाज धर्मशाला परिसर में खंडवा के वीर सपूत 1857 के महान क्रांतिकारी रेंगा कोरकू को पुष्पांजलि अर्पित कर आदिवासी समाज के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और समस्त आदिवासी क्रांतिकारियों के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी समाज के लिए दी गई कुर्बानी को याद किया। मंच पर वरिष्ठ जनों का फूल मालाए पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संरक्षक देवी सिंह पटेल, कोरकू समाज जिला अध्यक्ष कमलेश चौहान, युवक मंडल जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह मोरी, ब्लॉक अध्यक्ष बलराम वर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता संदीप काकड़ीदिनेश सेंमबिया सरपंच,पूनमसिंह कर्मा,ओमप्रकाश धुर्वे, करन भिलाला,दिनेश सेंमबिया सहित जय आदिवासी कोरकू समाज और युवा मंडल के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता आदिवासी समाज सम्मिलित रहे।

भाजयुमो नगर मंडल सीहोर ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महेंद्र ठाकुर का किया स्वागत

सीहोर (निप्र)। भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल सीहोर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महेंद्र ठाकुर के निजी निवास पर पहुंचकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्री ठाकुर के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा युवाओं को संगठन से जोड़कर जनसेवा और राष्ट्रहित के कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में युवा मोर्चा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाएगा तथा युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करेगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग और मार्गदर्शन से भारतीय जनता युवा मोर्चा को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महेंद्र ठाकुर का स्वागत किया और संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुनील राय, समीर सेन, विशाल पाटीदार, विशाल परमार, रोहित यादव, विशाल बिलवन, शुभम राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

री-नीट यूजी 2026 में सफल विद्यार्थियों का दर्शन अकादमी में किया सम्मान

सीहोर (निप्र)। री-नीट यूजी 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में दर्शन अकादमी में सम्मान समारोह और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। समारोह में एमबीबीएस में

चयनित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का मेडल व स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया गया। इसके बाद सफल विद्यार्थियों के साथ शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान पुष्पवर्षा कर विद्यार्थियों का स्वागत और सम्मान किया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. सुरेंद्र सिंह मेवाड़ा और दुर्गेश हाड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा

अकादमी के डायरेक्टर ऋषि सर एवं ओमप्रकाश मेवाड़ा ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उत्कृष्ट चिकित्सक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना भी है। कार्यक्रम के अंत में सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई व भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहने का आह्वान किया गया। समारोह में अकादमी के शिक्षक, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कठिन परिश्रम और अनुशासन से प्राप्त सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दर्शन अकादमी की छात्रा श्रेया मालपानी ने री-नीट यूजी 2026 में 720 में से 567 अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अकादमी के 15 से अधिक विद्यार्थियों का एमबीबीएस में चयन हुआ, जबकि 5 से अधिक विद्यार्थियों ने शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीट हासिल कर संस्था का नाम रोशन किया।

गुप्त नवरात्र का समापन, कन्या भोज के साथ हवन, पूजन और पूर्णाहुति

सीहोर। गुरुवार को आषाढ मास की नवमी पर नवरात्रि का समापन किया गया। इस मौके पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शहर के विश्रामघाट मां चौसट योगिनी मरीह माता मंदिर में गुप्त नवरात्रि का पावन पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्रि के पावन अवसर के अंतिम दिवस यहां पर कन्या भोज के साथ हवन, पूजन और पूर्णाहुति की गई। इस मौके पर मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, आयुष गुप्ता सहित अन्य ने यहां पर मौजूद कन्याओं का पूजन किण। सुबह नवमी पर मां सिद्धी दात्री की पूजा अर्चना के लिए मंदिर परिसर में दिनभर माता के दर्शनों कर पूजा-अर्चना की गई। गुप्त नवरात्रि के अंतिम दिन सुबह सामूहिक रूप से पूर्णाहुति दी। भड़ली नवमी आषाढ़ माह की नवरात्रि का आखिरी दिन होता है। इस तिथि पर देवी दुर्गा के जगदंबा स्वरूप की पूजा करने का विधान है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना से आत्मनिर्भर बने युवा सार्थक दिनकर

सीहोर (निप्र)। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में युवाओं को रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने वाला बनाने के उद्देश्य से विभिन्न स्वरोजगार योजनाएं संचालित कर रही है।

इन योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं को आसान ऋण, अनुदान और आवश्यक मार्गदर्शन देकर आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। ऐसी ही एक योजना संत रविदास स्वरोजगार योजना ने सीहोर जिले के युवा सार्थक दिनकर के जीवन को नई दिशा दी है सीहोर निवासी 21 वर्षीय युवा सार्थक दिनकर का सपना था कि वे अपना स्वयं का सेनेटरी एवं हार्डवेयर का व्यवसाय स्थापित करें। उनके पास व्यवसाय की स्पष्ट योजना और काम करने का उत्साह तो था, लेकिन पर्याप्त पूंजी न होने के कारण उनका सपना साकार नहीं हो पा रहा था।इसी दौरान उन्हें संत रविदास स्वरोजगार योजना की जानकारी मिली। उन्होंने जिला अंत्यावसायी कार्यालय, सीहोर से संपर्क कर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन किया। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें योजना के तहत 18 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ।

कुबेरेश्वरधाम पर गुरु महोत्सव आज से, एक दिन पहले ही पंडाल हाउस-फुल

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पार्किंग, चिकित्सा सेवाएं, पुलिस बल, यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में पांच दिवसीय गुरु महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार से आयोजित होगा। महोत्सव को लेकर देशभर से श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। आयोजन शुरू होने से एक दिन पहले ही कथा पंडाल श्रद्धालुओं से हाउसफुल हो गया, जबकि आसपास की होटल, धर्मशालाएं एवं ठहरने के अधिकांश स्थान भी पूरी तरह भर चुके हैं। आयोजन को व्यवस्थित किए जाने के लिए जिला प्रशासन और विठलेश सेवा समिति ने भोजन, चिकित्सा, पार्किंग, कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की व्यवस्था की है। गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा, समिति के पंडित विनय मिश्रा और पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य ने यहां पर आने वाले हजारों

श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की।

समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि गुरु महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार से 28 जुलाई तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को एक दिवसीय गुरु दीक्षा महोत्सव आयोजित होगा। लाखों श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को देखते हुए समिति एवं प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए लगभग 1 लाख 80 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित स्थायी कथा पंडाल में शिव महापुराण श्रवण की व्यवस्था की गई है। वहीं, करीब 50 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में विशाल भोजन प्रसादी स्थल तैयार किया गया है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे।महोत्सव को सुचारु एवं सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पार्किंग, चिकित्सा सेवाएं, पुलिस बल, यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

वरिष्ठ समाजसेवी स्व. शिक्षक खुशीलाल अहिरवाल की 22वीं पुण्यतिथि पर हुआ पौधारोपण

सीहोर (निप्र)। वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद् स्व. मास्टर खुशीलाल अहिरवाल की 22वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र अभय कुमार अहिरवाल (संजू) एवं जाटव समाज कल्याण संगठन, सीहोर के नेतृत्व में स्थानीय डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क, गंज, सीहोर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश देते हुए पार्क परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सामाजिक बंधुओं ने स्व. खुशीलाल अहिरवाल के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके समाजसेवा एवं शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को स्मरण किया। इस मौके पर युवा समाजसेवी सन्नी जाटव ने कहा कि स्व. अहिरवाल का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा है और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर जाटव समाज कल्याण संगठन के अध्यक्ष मनोज फरेला, पूर्व पार्षद एवं दलित नेता नरेन्द्र खंगराले, समाजसेवी चरण खंगराले, सन्नी जाटव, हितेन्द्र कचनेरिया, उमेश मंगरोलिया, कपिल पुरविया, जुगल सुमेरिया, हंमत भारती, समाजसेवी राहुल जाटव, कमलकिशोर जाटव, टीटू कचनेरिया, प्रभुदयाल फरेला, भोला कचोरिया, प्रिंसराज, युवराज (पोता), धर्मेन्द्र दीवान, समाजसेवी भाई नरेन्द्र बनवेया, मोनू जाटव, अर्जुन लौट, बंटी कचनेरिया, भोला कचनेरिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

प्रकृति उजड़ रही है हम आँखो पर पट्टी बांधकर बैठे हैं : डॉ चिन्मय

सावल माता मंदिर पहाड़ी पर वृक्ष गंगा पौधा रोपण महायज्ञ संपन्न

पहाड़ी पर चढ़कर 1000 लोगों ने डेढ़ घंटे में किया 1111 पौधों का रोपण

सीहोर। अखिल विश्व गायत्री परिवार ने रायपुरा पहाड़ी पर गुरुवार को इतिहास रच दिया। गायत्री महामंत्र के बीच वृक्ष गंगा अभियान त्रिवेणी पौधा रोपण महायज्ञ संपन्न हो गया।

बड़ली वाली माता को हरी चुनर ओढ़ाकर संयुक्त रूप से पंद्रह गांवों के हजारों ग्रामीणों ने डेढ़ घंटे में 1111 पौधे लगाकर पहाड़ी को हरा भरा कर दिया। यही नहीं ग्रामीणों और गायत्री परिवारजनों ने रोपित किए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प भी लिया।वृक्ष गंगा पौधा रोपण गायत्री महायज्ञ में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल विश्व शांतिकुंज गायत्री परिवार हरिद्वार से पहुंचे आचार्य डॉक्टर चिन्मय ने कहा कि हमारी आंखों के सामने प्रकृति उजड़ रही है और हम गांधारी की तरह आंखों पर पट्टी बांधकर बैठे हैं । पूरे विश्व में पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा है । पर्यावरण संरक्षण के प्रति आज ही लोगों में जागरूकता की कमी बनी हुई है। प्राकृतिक आपदाओं का हमें सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालातो में इस प्रकृति को बचाने के लिए गायत्री परिवार भारत सहित दुनिया के कई देशों में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण अभियान चला रहा है। आपको यह जानकर आचार्य होगा कि गायत्री परिवार में बीते एक दशक में भारत भूमि पर इतना पौधारोपण किया है कि गूगल को भी मैप बदलना पड़ा है। पहले गूगल पर भारत के अनेक हिस्सों को हरियाली शून्य दिखाई जा रहा था अब वही गूगल उसे भूमि को हरियाली युक्त बता रहा है यह सब गायत्री परिवार के लाखों स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं कि पर्यावरण के प्रति श्रद्धा भावना कर्तव्य के कारण ही हुआ है।

अमर शहीद कुंवर चैन सिंह के शहादत दिवस पर विशेष

24 जुलाई 1824 को अंग्रेजी सेना से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे अमर शहीद कुंवर चैन सिंह

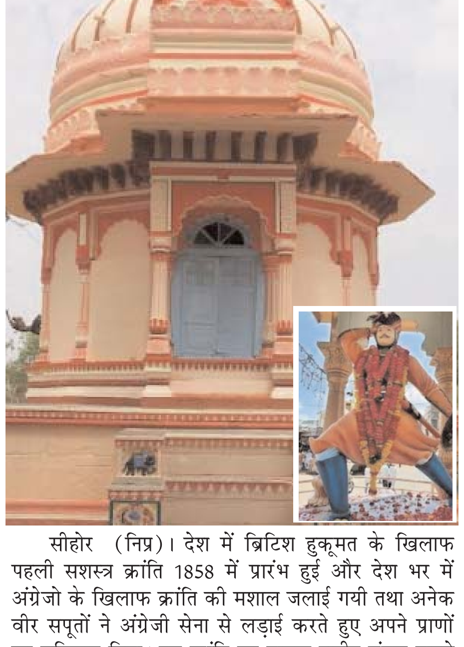

सीहोर (निप्र)। देश में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ पहली सशस्त्र क्रांति 1858 में प्रारंभ हुई और देश भर में अंग्रेजो के खिलाफ क्रांति की मशाल जलाई गयी तथा अनेक वीर सपूतों ने अंग्रेजी सेना से लड़ाई करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस क्रांति का नायक शहीद मंगल पाण्डे को माना जाता है। मेरठ क्रांति के 33 साल पहले ही इस क्रांति की शुरूआत हो चुकी थी। मालवा अंचल में अनेक वीरों ने अंग्रेजी सेना से बगावत कर युद्ध लड़ा और अपने प्राणों का बलिदान किया। स्वतंत्रता के इतिहास में सीहोर जिले की अन्य घटनाओं के साथ ही अमर शहीद कुंवर चैन सिंह की शहादत भी स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। सीहोर स्थित कुंवर चैन सिंह की छतरी पर गॉड ऑफ ऑनर की परम्परा मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2015 से शुरू की।

सन् 1818 में ईस्ट इंडिया कंपनी और भोपाल के तत्कालीन नवाब के बीच हुए समझौते के बाद कंपनी ने सीहोर में एक हजार सैनिकों की छावनी बनाई। कंपनी द्वारा नियुक्त पॉलिटिकल एजेंट मैडॉक को इस फौजी टुकड़ी की कमान सौंपी गई। समझौते के तहत मैडॉक को भोपाल सहित नरसिंहगढ़, खिलचीपुर और राजगढ़ रियासत से संबंधित राजनीतिक अधिकार दिए गए। इस फैसले को नरसिंहगढ़ रियासत के युवराज अमर शहीद कुंवर चैन सिंह ने गुलामी की निशानी मानते हुए स्वीकार नहीं किया और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर दिया। उन्होंने अंग्रेजो के वफादार दीवान आनंदराम बख्शी और मंत्री रूपराम बोहरा को मार दिया। इन दोनों की हत्या के अभियोग से बचने के लिए अंग्रेजो ने कुछ शर्तें रखी जिसे कुंवर चैन सिंह ने ठुकरा दिया। अमर शहीद कुंवर चैन सिंह 24 जुलाई 1824 की दोपहर अपने घोड़े पर बैठकर कैम्प से बाहर जाने लगे तब अंग्रेजों के कर्मचारियों ने उन्हें यह कहते हुए रोका दिया कि आपको कैम्प से बाहर जाने की इजाजत नहीं है। इससे कुंवर चैन सिंह का स्वाभिमान आहत हुआ। उन्हें ब्रिटिश हुकुमत की गुलामी कतई स्वीकार नहीं थी। वे मेडॉक और जॉनसन के आदेश की अवहेलना कर कैम्प से बाहर चले गये। मना करने के बाद भी कुंवर चैन सिंह के बाहर चले जाने से युद्ध की आशंका के चलते मेडॉक ने सेना को बुलाने का प्रबंध किया और यह सेना डाबरी की छावनी, सीहोर की छावनी, भोपाल तथा होशंगाबाद से बुलाई थी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com